+ CMYK +

नासा ने कहा कि वर्ष 2030 में जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ते समुद्र के जलस्तर के साथ चांद अपनी कक्षा से डगमगाएगा, जिससे धरती पर विनाशकारी बाढ़ आएगी।

आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

हर पल रहें ताजा तरीन खबरों के साथ लॉगिंन करें: WWW.yashbharat.co.in

● वर्ष- 15 अंक 162- ● जबलपुर ● मंगलवार, 13 जुलाई, 2021 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● आषाढ़ शुक्ल पक्ष -3 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

अब केबिनेट कमेटियों में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट में फेरबदल और विस्तार के बाद अब कैबिनेट कमेटियों में अहम बदलाव किया गया है। कमेटियों में भी पीएम मोदी ने युवा नेताओं को प्राथमिकता दी है। स्मृति ईरानी, भूपेंद्र यादव और सर्बानंद सोनोवाल, मनसुख मंडाविया,ज्योतिरादित्य सिंधिया, गिरिराज सिंह समेत अन्य कई मंत्रियों को समिति में जगह दी गई है। भूपेंद्र यादव को सभी अहम समितियों में शामिल किया गया है।

इनको मिली समितियों में जगह

पॉलिटिकल अफेयर्स से जुड़ी कैबिनेट कमेटी में भूपेंद्र यादव, स्मृति ईरानी, सर्बानंद सोनोवाल, मनसुख मंडाविया, गिरिराज सिंह की एंट्री हुई है। इन्वेस्टमेंट और ग्रोथ से जुड़ी हुई कैबिनेट कमेटी में

नारायण राणे, ज्योतिरादित्य सिंधिया, अश्विनी वैष्णव को शामिल किया गया है। रोजगार और स्किल से जुड़ी कमेटी में धर्मेंद्र प्रधान, अश्विनी वैष्णव, भूपेंद्र यादव, हरदीप पुरी, आरसीपी सिंह की एंट्री हुई है। इस कमेटी की कमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ में है। संसदीय मामलों की कैबिनेट कमेटी में अर्जुन मुंडा, विरेंद्र कुमार, किरण रिजिजू, अनुराग ठाकुर को जगह मिली है, इस कमेटी की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे, अश्विनी वैष्णव, किरण रिजिजू, अनुराग ठाकुर जैसे युवा चेहरों को भी इस बार कैबिनेट की कमेटियों में जगह मिली है। बता दें कि रविशंकर प्रसाद, प्रकाश जावड़ेकर हर्षवर्धन जैसे बड़े चेहरे कैबिनेट से बाहर हो गए हैं, ऐसे में अब कमेटियों में नया बदलाव किया गया है। वहीं हर्षवर्धन और सदानंद गौड़ा अभी भी कुछ समितियों में बने हुए हैं। कैबिनेट में नियुक्ति, सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है।

एमपी केबिनेट: गैस पीड़ित कल्याणी को पेंशन
खनिज सहित आज कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी या निजी भूमि से खनिज परिवहन से पहले रायल्टी के बराबर राशि जमा करानी होगी। अभी तक शासकीय भूमि से प्राप्त होने वाले ऐसे खनिज की परिवहन अनुज्ञा जारी करने से पहले रायल्टी दर से दोगुनी के बराबर राशि जमा करनी होती थी। निजी भूमि के लिए रायल्टी के बराबर राशि जमा करने का प्रविधान था। मध्य प्रदेश गौण खनिज नियम में संशोधन से एकरूपता आ जाएगी। वहीं, भोपाल गैस पीड़ित कल्याणी विधवा को एक हजार रुपये मासिक अतिरिक्त पेंशन देने पर निर्णय लिया जा सकता है। यह पेंशन सामाजिक सुरक्षा पेंशन से अतिरिक्त होगी। इसके अलावा

कैबिनेट में अन्य प्रस्तावों पर विचार करके निर्णय लिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक बैठक में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने तीन दिसंबर 2020 को गैस त्रासदी की बरसी पर गैस पीड़ित कल्याणी विधवा पेंशन योजना को फिर से प्रारंभ करने की घोषणा की थी। दिसंबर 2019 तक यह पेंशन मिल रही थी पर इसके बाद यह बंद हो गई थी। गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग ने मुख्यमंत्री की घोषणा के मद्देनजर कैबिनेट निर्णय के लिए प्रस्ताव तैयार किया है। इसमें लगभग साढ़े चार हजार कल्याणी को एक हजार रुपये मासिक अतिरिक्त पेंशन दी जाएगी

क्विक अपडेट

पूर्व क्रिकेटर यशपाल शर्मा का हार्टअटैक से निधन

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर यशपाल शर्मा का निधन हो गया है। हार्ट अटैक से उनका निधन हुआ है। 1983 में वर्ल्ड चैम्पियन बनने वाली टीम का हिस्सा थे। यशपाल शर्मा मूल रूप से पंजाब के लुधियाना से थे। उनका जन्म 11 अगस्त 1954 को हुआ था। 70 और 80 के दशक में उनकी भूमिका मध्यम क्रम के धाकड़े बल्लेबाज की रही। हाल के दिनों में उन्होंने क्रिकेट एक्सपर्ट की भूमिका निभाई।याद करते हुए कपिल देव भावुक हो गए।

13 जुलाई से शुरू होगी नीट परीक्षा के आवेदन की प्रक्रिया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा नीट 2021 के लिए 13 जुलाई, 2021 से पंजीकरण प्रक्रिया शुरू होगी। आवेदन करने के लिए पंजीकरण लिंक शाम 5 बजे से खुलेगी। ऐसे में इस वर्ष नीट यूपी की परीक्षा देने के इच्छुक अभ्यर्थी एनटीए एनईईटी की आधिकारिक साइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 12 सितंबर, 2021 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा की तारीख की घोषणा नवनियुक्त शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को की थी।

यात्रियों को राहत-कई स्पेशल ट्रेन चलेंगी

नई दिल्ली। रेलवे कुछ स्पेशल ट्रेन चलाएगी। लंबी दूरी की ट्रेनों में रेलवे ने आरक्षण की सुविधा भी शुरू कर दी है। हालांकि यह स्पेशल ट्रेन होगी और यात्रा किराया भी ज्यादा होगा। ट्रेन संख्या 06317 कन्याकुमारी-कटरा साप्ताहिक स्पेशल 9 जुलाई से चलेगी। ट्रेन संख्या 06318 कटरा-कन्याकुमारी साप्ताहिक स्पेशल 12 जुलाई से चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 02687 मदुरई-चंडीगढ़ द्विसाप्ताहिक स्पेशल 11 जुलाई से चलेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 02688 चंडीगढ़-मदुरई द्विसाप्ताहिक स्पेशल16 जुलाई से चलेगी। ट्रेन संख्या 05733 कटिहार-अमृतसर दैनिक स्पेशल 26 जुलाई से चलेगी। वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 05734 अमृतसर-कटिहार 29 जुलाई से चलेगी।

धरती से टकरा सकता है भीषण सौर तूफान
फोन सिग्नल नहीं करेंगे काम

नई दिल्ली। सूरज से निकली एक गर्म और तेज तूफान की लहर मंगलवार और बुधवार के बीच धरती से टकरा सकता है। इसके चलते जीपीएस सिस्टम, मोबाइल नेटवर्क और सैटेलाइट टीवी प्रभावित हो सकते हैं। इनकी सेवाएं बाधित हो सकती हैं। सौर तूफान के चलते धरती के ऊत्तरी और दक्षिणी ध्रुव पर नॉर्दन और सदर्न लाइट्स की मात्रा और फ्रीक्वेंसी बढ़ सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, 3 जुलाई को सूरज के दक्षिणी हिस्से में एक बड़ा विस्फोट देखा गया। इसकी वजह से सोलर फ्लेयर्स यानी सौर किरणें तेजी से धरती की ओर बढ़ रही हैं। ये मंगलवार और बुधवार के बीच यानी 13 जुलाई को किसी भी समय धरती पर कुछ मिनटों के लिए परेशानी खड़ी कर सकती हैं। स्पेशवैदर डॉट कॉम के मुताबिक, सूरज की तरफ आने वाले इस तूफान से धरती के चुंबकीय क्षेत्र पर असर पड़ सकता है, जो लोग उत्तरी या दक्षिणी ध्रुव के आसपास रहते

हैं, उन्हें रात में आसमान में खूबसूरत औरोआ देखने को मिल सकता है, लेकिन यह खूबसूरती अपने साथ कई तरह की दिक्कतें भी लेकर आ रही है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मुताबिक, यह सौर तूफान धरती की तरफ 16 लाख किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आ रहा है, जोकि कुछ समय में और ज्यादा तेज हो जाएगा। जैसे ही यह तूफान धरती के चुंबकीय क्षेत्र में प्रवेश करेगा, इसकी वजह से सैटेलाइट सिग्नल बाधित होंगे, जिससे जीपीएस, टीवी, मोबाइल नेटवर्क में दिक्कत आ सकती है। सौर तूफान की वजह से धरती का बाहरी वायुमंडल गर्म हो सकता है, जिसका सीधा असर अलग-अलग देशों द्वारा भेजे गए सैटेलाइट्स पर पड़ेगा। इसकी वजह से जीपीएस के सहारे चलने वाले विमानों, जहाजों, मोबाइल फोन और सैटेलाइट टीवी आदि की सेवाएं बाधित हो सकती हैं। ये भी हो सकता है कि कुछ देशों में बिजली की सप्लाई बाधित हो जाए और लोगों को अंधेरे का सामना करना पड़े।

जियोमैग्नेटिक तूफान से दिक्कत

सौर तूफान की वजह से धरती पर एक और तूफान का खतरा पैदा होगा, जिसे जियोमैग्नेटिक तूफान कहते हैं। जब सूरज से आने वाले चार्ज्ड पार्टिकल्स धरती की चुंबकीय क्षेत्र से टकराते हैं, तब जियोमैग्नेटिक तूफान आता है। इसकी वजह से धरती के चुंबकीय क्षेत्र में कुछ देर के लिए बाधा उत्पन्न होती है, जिससे लैटीट्यूट और लॉन्गीट्यूड समझने में दिक्कत होती है। इससे जीपीएस काम करना बंद कर देता है।

इराक के कोविड-19 अस्पताल में आग से 50 लोगों की मौत

नासिरिया। इराक के नासिरिया में एक कोविड-19 अस्पताल में दर्दनाक हादसा हुआ है। इस अस्पताल में भीषण आग लगने से 50 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हुए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों और पुलिस के हवाले से ये खबर दी है। अधिकारियों ने बताया कि नासिरया शहर के इस अस्पताल में कम से कम 50 लोगों की मौत हुई है तथा अन्य की हालत नाजुक बनी हुई है। मरने वाले लोग बुरी तरह झुलस गए थे। उन्होंने बताया कि आग इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट के कारण लगी। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि आग ऑक्सीजन सिलेंडर फटने की वजह से लगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने आग लगने के कारण के बारे में कुछ नहीं कहा है।

इंदिरा गांधी के आध्यात्मिक गुरू धीरेंद्र ब्रह्मचारी के आश्रम पर गंभीर आरोप, जांच शुरू

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आध्यात्मिक गुरु धीरेंद्र ब्रह्मचारी के आश्रम पर भूमि बिक्री के मामले में टैक्स चोरी करने के गंभीर आरोप लगे हैं। धीरेंद्र ब्रह्मचारी के आश्रम की गुरूग्राम में 23.9 एकड़ की यह भूमि आज की बाजार दरों में लगभग दो हजार करोड़ रूपये की है, जबकि कुछ लोगों की मिली भगत से इसे केवल 55 करोड़ का बताकर बेचा जा रहा था। मामले का संज्ञान लेते हुए आर्थिक अपराध शाखा ने आश्रम के ट्रस्ट और कथित फर्जी खरीदारों के ऊपर केस दर्ज कर लिया है। साथ ही, संस्था के ट्रस्ट अपर्णा आश्रम ट्रस्ट पर एक खरीदार से समझौता पूरा हुए बिना दूसरे खरीदार को बेचने का गंभीर आरोप भी है। दरअसल, धीरेंद्र ब्रह्मचारी का यह आश्रम गुरुग्राम, हरियाणा के सिलोखरा गांव में 23.99 एकड़ भूमि पर बना हुआ है। उन्होंने इसे 1973 में बनाया था। इसका संचालन उनके नेतृत्व में बनी एक सोसाइटी अपर्णा आश्रम सोसाइटी के जरिए की जाती थी। उनके अलावा इस सोसाइटी में मुरली चौधरी, रेनू चौधरी, श्याम शर्मा और केके सोनी थे। ब्रह्मचारी के देहावसान के बाद संस्था के देखभाल की जिम्मेदारी मुरली चौधरी के हाथों में आ गई थी। वर्ष 2010 में ट्रस्ट ने अपनी भूमि के एक बड़े हिस्से को बेचने का निर्णय किया था। इस आश्रम की 75 प्रतिशत भूमि की बिक्री करने का एक सौदा स्प्लेंडर ग्रुप नाम की कंपनी के साथ 2010 में सौदा 300 करोड़ रूपये में हुआ था। आश्रम को 50 लाख रूपये एडवांस देते हुए कंपनी ने बाकी की राशि आवश्यक लाइसेंस मिल जाने के बाद बिक्री के समय देना नियत किया था ।आरोप है कि इस समझौते को अंजाम पर पहुंचाए बिना आश्रम ने इसी भूमि को दिल्ली की चार अन्य कंपनियों को बेच दी।

पुरुष को करना पड़ेगा जागरूक

जनसंख्या नियंत्रण पर नीतीश के बयान पर डिप्टी सीएम रेणू का जवाब

पटना। उत्तरप्रदेश सरकार की ओर से जनसंख्या नीति पेश करने के बाद देशभर में एक नई बहस छिड़ गई है। बिहार में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री रेणु देवी आमने-सामने हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से जनसंख्या नियंत्रण को लेकर उठाए गए कदम को लेकर जब नीतीश कुमार से पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए सिर्फ कानून बनाने से आबादी नियंत्रित हो जाएगी यह संभव नहीं है। इसके लिए महिलाओं का शिक्षित होना ज्यादा जरूरी है। नीतीश कुमार के बयान से इतर उप मुख्यमंत्री रेणु देवी ने कहा कि इसके लिए पुरुष को

जागरूक होने की जरूरत है। पुरुषों के अंदर जनसंख्या नियंत्रण करने के लिए नसबंदी को लेकर भी काफी डर की स्थिति है। बता दें कि जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर नीतीश कुमार ने कहा था कि जो राज्य जो करना चाहे करें, लेकिन हमारा मानना है कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए केवल कानून बनाकर उपाय करेंगे तो यह ठीक से संभव नहीं हो सकता ।अगर महिलाएं पढ़ी लिखी होंगी तो उनके अंदर ज्यादा जागृति होगी और प्रजनन दर अपने आप घटेगी, लेकिन उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता रेणु देवी नीतीश कुमार के इस विचार से सहमत नहीं हैं। रेणु देवी ने कहा कि केवल महिलाओं के शिक्षित होने से ही जनसंख्या नियंत्रण संभव नहीं है।

कार और ट्रक में टक्कर, दो भाई समेत एक ही गांव के पांच लोगों की मौत

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में मंगलवार की सुबह बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में दो भाइयों समेत एक ही गांव के पांच लोगों की मौत हो गई है। क्षतिग्रस्त कार को काटकर शवों को निकाला। त्रिलोचन मकड़ा बाईपास के पास मंगलवार की सुबह बारातियों से भरी ब्रेजा और ट्रक में आमने-सामने टक्कर हो गई। दो सगे भाइयों समेत एक ही गांव के 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मई में थी धमाके की साजिश
लॉकडाउन के कारण नहीं जुटी भीड़

अलकायदा के आतंकियों से पूछताछ, अखिलेश मायावती ने उठाये सवाल

लखनऊ। यहां पकड़े गये अलकायदा के आतंकियों से पूछताछ जारी है। अब तक जो जानकारी सामने आई है, वो चौंकाने वाली है। पता चला है कि इन आतंकियों के निशाने पर अयोध्या, मथुरा के मंदिर थे। इन्होंने मई के महीने में भीड़ भले इलाकों में धमाके करने की साजिश रची थी, लेकिन कोरोना ने पानी फेर दिया। दरअसल, कोरोना के कारण लॉकडाउन लगाना पड़ा और बाजारों में भीड़ नहीं जुट पाई। यही कारण है कि आतंकियों को ब्लास्ट की प्लानिंग रोकना

पड़ी और आगे कुछ कर पाते, इससे पहले धरा गए। पकड़े गए तीन आतंकियों, वसीम, मिनहाज और मसीरुद्दीन के पास से नक्शे भी मिले हैं। इससे पहले 11 जून, रविवार को उस समय पूरे देश में हड़कंप मच गया था, जब यूपी एटीएस ने लखनऊ के काकोरी इलाके में छापा मारा। पूरे प्रकरण पर राजनीति भी तेज हो गई है। मायावती और अखिलेश यादव ने सवाल उठाए हैं। इनका कहना है कि चुनाव से पहले ही ऐसी साजिशों का खुलासा क्यों होता है? वहीं भाजपा ने कहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर राजनीति नहीं होना चाहिए।

चार माह बाद सबसे कम केस

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर अब सुस्त पड़ने लगी है। कोरोना संक्रमण के दैनिक मामलों की संख्या में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। देश में बीते 24 घंटे में 31,443 नए कोरोना मरीज मिले हैं और 546 लोगों की संक्रमण के चलते मौत हो गई है। इससे एक दिन पहले यानी सोमवार को 37,154 नए मरीज मिले और 724 लोगों की संक्रमण से जान चली गई थी। कोरोना का कहर कम होने के साथ ही राज्यों में अनलॉक प्रक्रिया जारी है।

महिला को बंधक बना आठ दिन तक सामूहिक दुष्कर्म

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम जिले के सोहना इलाके में अनुसूचित जाति की महिला का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी आठ दिन बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म करते रहे। महिला के दोस्त ने धोखे से बुलाकर अपने साथियों के साथ अपहरण कर लिया। नशीला पदार्थ पिलाकर उसे बेहोश किया। आरोप है कि रोज शाम को बेसुध करने का इंजेक्शन लगाते थे। सदर थाना पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी देने के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने महिला की मेडिकल जांच कराने के साथ ही अदालत में 164 का बयान दर्ज कराया है। सोहना इलाके की रहने वाली महिला ने सदर सोहना थाना पुलिस को बताया कि 29 जून की शाम को दोस्त चिंटू मिला था। उसने दूसरे दिन सुबह पांच बजे मंदिर के पास बुलाया। उसके बुलाने पर वहां पहुंची। तय समय से पांच मिनट बाद एक सफेद रंग की कार आ कर रूकी। उसमें चिंटू अपने दोस्तों के साथ बैठा था। कार में बैठते ही चिंटू व उसके दोस्त दीपक, कुलदीप व संजू ने उसे पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ पिला दिया। जिससे उसे कुछ याद नहीं है। चारों उसे एक कमरे में ले गए। जहां पर बंधक बना कर रखा। आरोपी उसके साथ रोज वारदात को अंजाम देते थे। साथ ही उसके कंधे में एक इंजेक्शन भी लगा देते थे।

एमपी में सवाल पर बवाल

भोपाल। हाल ही में इसके बीए द्वितीय वर्ष की राजनीति शास्त्र के प्रश्नपत्र में एक ऐसा सवाल पूछा गया, जिसे लेकर प्रदेश की राजनीति में बवाल मच गया है। दरअसल, यह सवाल पाकिस्तान को लेकर है। भोज विवि के बीए द्वितीय वर्ष के राजनीति शास्त्र के पेपर में छात्रों से पूछा गया है कि पाकिस्तान के संविधान की संक्षिप्त विशेषताएं बताएं। कांग्रेस विधायक कुणाल चौधरी ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से पूछा है कि आखिर पाकिस्तान से उन्हें इतना प्रेम क्यों है।

क्रिस गेल ने टी-20 क्रिकेट में रचा इतिहास

सेंट लूसिया। ऑस्ट्रेलिया की टीम इन दिनों वेस्टइंडीज दौरे पर पांच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेल रही है। श्रृंखला का तीसरा मैच 12 जुलाई को सेंट लूसिया में खेला गया। यह मुकाबला कैरेबियन टीम के तूफानी बल्लेबाज क्रिस गेल के लिए खास रहा। इस मैच में यूनिवर्स बॉस ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेयाई गेंदबाजों की बखिया उधेड़ दी। अपनी पारी के दौरान गेल ने टी-20 क्रिकेट में अनूठा कीर्तिमान रच दिया। वह टी-20 क्रिकेट में 14 हजार रन पूरे करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए। आइए हम आपको बताते हैं कि टी-20 क्रिकेट में अब तक किन बल्लेबाजों ने सबसे ज्यादा रन बनाए हैं।

ऐसा लगा जैसे एक ही पल में सब कुछ खत्म हो गया

विनाशलीला की आंखों देखी

धर्मशाला। पिछले एक माह से पर्यटकों से पैक तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा की नगरी हिमाचल प्रदेश का मैकलोडगंज सोमवार सुबह करीब 7.30 बजे भारी बारिश से हुई तबाही के बाद कुछ ही पल में खाली हो गई। भागसूनाग में सुबह साढ़े 7. 30 नाले में अचानक पानी का तेज बहाव आने के बाद माहौल चीख पुकार में बदल गया। भागसूनाग चौक पर गाड़ियां ताश के पत्तों की तरह बहने लगीं। भागसूनाग शहर का चौक नाले में तबदील हो गया। होटलों में कर्मचारी जान बचाकर शहर से भागने लगे। भागसूनाग में ठहरे जालंधर के पर्यटक होशियार सिंह ने बताया कि तबाही का मंजर बेहद खौफनाक था। भागसूनाग में आई बाढ़ में मेरी इनोवा क्षतिग्रस्त हो गई। मेरा परिवार

बेहद परेशान है। प्रशासन हमारी मदद करे। दिल्ली के पर्यटक विकास कुमार ने बताया सुबह साढ़े सात बजे ऐसा लगा कि कुछ ही पल में सब कुछ खत्म हो जाएगा। हम जान बचाकर होटल से भागे ।एक होटल के कर्मचारी रोहित ने बताया कि होटल में पानी घुस गया। हम कमरे में कैद हो गए। ऐसा लगा कि अब होटल ही गिर जाएगा, लेकिन जान बच गई। गाड़ियां ताश के पत्तों की तरह बह रही थीं। होटल एसोसिएशन धर्मशाला के अध्यक्ष अश्वनी बांबा ने बताया कि धर्मकोट में नाला बाधित होने की वजह से सारा पानी सड़क पर आ गया जिसने तबाही का मंजर पैदा किया ।धर्मशाला उपमंडल के तहत चैतड़ू गांव में खड्डु में आए तेज बहाव में दो दुकानें और चार मकान बह गए।

गड़बड़ है ! जिलों से जानकारी आई तो मध्यप्रदेश में 1478 बढ़ा मौत का आंकड़ा

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना से होने वाली 1478 मौतों का अभी तक हिसाब ही नहीं था। श्मशान घाटों में पहुंचने वाले शवों की संख्या सरकारी रिकार्ड में दिखाई जा रही मौतों से काफी ज्यादा थी। सवाल खड़े हुए तो जिलों से जानकारी जुटाकर सोमवार को इन मौतों को जोड़ा गया है। इस तरह अब प्रदेश में कोरोना से मरने वालों का कुल आंकड़ा 10,506 हो गया है। मौत के नए आंकड़ों में निजी अस्पतालों की 762, सरकारी अस्पतालों की 508 और होम आइसोलेशन की 208 मौतों को जोड़ा गया है। अब सवाल यह उठ रहा है कि इतनी मौतों की जानकारी अभी तक कैसे छुपी रह गईं। खासतौर पर होम आइसोलेशन में मौत होना व्यवस्थाओं पर प्रश्न चिन्ह है कि यह मरीज अस्पताल में ही भर्ती नहीं हो पाए।

पिकनिक, पर्यटन स्थल हाउसफुल

जबलपुर। कोरोना कर्फ्यू से लोगों को पूरी तरह से राहत मिल गई है। सोमवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की स्थिति नियंत्रण में है। कन्फर्म केस मात्र 18 और एक्टिव केस केवल 296 हैं। प्रदेश के 44 जिलों में कोरोना का कोई प्रकरण नहीं है। केवल 8 जिलों में एक-दो प्रकरण शेष हैं। इस स्थिति को देखते हुए राज्य शासन ने कुछ और गतिविधियों में छूट देने का निर्णय लिया है। अब शादी विवाह में अधिकतम 100 व्यक्ति और अंतिम संस्कार में 50 व्यक्ति सम्मिलित हो सकेंगे। सिनेमा घरों का संचालन 50 प्रतिशत क्षमता के साथ किया जा सकेगा। कोरोनाकाल के दौरान आए तनाव को कम करने के लिए लोग अपने परिवार के साथ पर्यटन स्थलों का रुख कर रहे हैं। लोग आसपास के पर्यटन स्थलों पर ही जाना पसंद कर रहे हैं।हर किसी को गर्मी के दिनों में छुट्टियों पर बाहर जाना पसंद होता है। जॉब करने वाले इस समय का बेसब्री से इंतजार करते हैं, लेकिन पिछले साल से बने हालात के कारण लोगों ने घर से बाहर निकलना छोड़ दिया है। अब जब हालात सामान्य हो रहे हैं, तो सावधानी के साथ बाहर निकलकर सैर कर रहेऔर अपने तनाव को कम कर रहे हैं। कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है, इसलिए हमें अब भी सावधानी बरतना जरूरी है। सभी पर्यटन स्थलों पर पर्यटन निगम के होटल फुल चल रहे हैं। ज्यादातर शहरवासी जबलपुर और आसपास बांधवगढ़, कान्हा, पचमढ़ी में छुट्टियां बिताने जा रहे हैं। जहां पर उन्हें भीड़भाड़ से दूर परिवार के साथ गुणवत्ता पूर्ण समय बिताने का अवसर मिल रहा है। वहीं जबलपुर के भेड़ाघाट में संगमरमरी वादियों को निहारने के लिए धुआंधार पंचवटी में उमड़ रहे हैं। इसके अलावा पर्यटक नेशनल पार्क की ओर रुख कर रहे है। नेशनल पार्कों को 30 जून तक जंगल सफारी के लिए खोला गया था और वर्तमान मानसून सीजन में बफर जोन में भ्रमण की इजाजत है। इसके बाद हिल स्टेशन पचमढ़ी पर्यटकों की पहली पसंद बना हुआ है। नेशनल पार्क और जंगल के समीप स्थित मप्र पर्यटन निगम के होटलों में मानसून डिस्काउंट भी दिया जा रहा है, जो 30 सितंबर तक रहेगा। छूट का लाभ सैलानी उठा रहे हैं।

कोरोना से उपजे तनाव कम करने पहुंचे एंजॉय

अनोखा नजारा देखने को मिलेगा आज

मंगल और शुक्र आएंगे पास, खुली आंखों से देख सकेंगे

जबलपुर। खगोलीय घटनाओं में रुचि लेने वालों को 13 जुलाई को आसमान में अनोखा नजारा देखने को मिलेगा। मंगल और शुक्र ग्रह बेहद नजदीक होंगे। खगोलविदों के मुताबिक, यह योग शून्य से 2 अंश तक होगा, जिससे दोनों ग्रहों में अंतर करना मुश्किल हो जाएगा। इस नजारे को खुली आंखों से पश्चिम दिशा में सूर्यास्त से रात 9 बजे तक देखा जा सकता है। खगोलविद बृजेंद्रशरण श्रीवास्तव के मुताबिक, शुक्र ग्रह को आसमान में सबसे चमकीला माना जाता है। इसे सुबह और शाम का तारा भी कहते हैं। यह जब मंगल के पास पहुंचता है, तो दोनों की चमक परस्पर एक-दूसरे को प्रभावित करती है। इस बार मंगल की चमक (ल्यूमिनोसिटी) 97.8 प्रतिशत है, जबकि शुक्र की 1.11 प्रतिशत है। यानी मंगल की चमक, शुक्र से अधिक रहेगी। बृहत्संहिता के अध्याय 17 के मुताबिक, जिस ग्रह की चमक अधिक हो, बिंब हिलता हुआ हो तो वह पराजित होता है। शुक्र जब पराजित होता है, तो युद्ध भय देता है और जब मंगल पराजित होता है तो अनाज भंडार की हानि होती है।मंगल और शुक्र की नजदीकी का ऐसा नजारा अब 16 फरवरी और 6 मार्च 2022 को देखने को मिलेगा। इससे पहले 22 मई 2011, 7 अप्रैल 2012, 22 फरवरी 2015, 3 नवंबर 2015, 5 अक्टूबर 2015, 24 अगस्त 2019 को यह संयोग बन चुका है।

एमपीओए साधारण सभा की बैठक नगर में 18 को

पुरानी टीम निर्विरोध चुनी जाएगी जबलपुर के दिग्विजय सिंह तीसरी बार सचिव होंगे

जबलपुर,यशभारत। मध्यप्रदेश ओलिंपिक संगठन (एमपीओए) की चुनावी वार्षिक साधारण सभा की बैठक जबलपुर में 18 जुलाई को होना है। इसी दौरान चार साल के लिए सभी पदों पर आधिकारिक मुहर लगेगी। मगर सोमवार को नाम वापसी की आखिरी तारीख थी, जिसके बाद प्रदेश संगठन के विभिन्न पदों पर स्थिति साफ हो गई है। इंदौर के विधायक रमेश मेंदोला व जबलपुर के दिग्विजय सिंह की टीम फिर बागडोर संभालने की तैयारी में है। उल्लेखनीय है कि मेंदोला पिछले तीन कार्यकाल से संगठन के अध्यक्ष हैं और एक बार फिर यह पद उनके पास आना तय है। एमपीओए सूत्रों के अनुसार मेंदोला, दिग्विजय सिंह की पुरानी टीम निर्विरोध चुनी जाएगी। मेंदोला चौथी बार अध्यक्ष बनेंगे क्योंकि उनके खिलाफ किसी ने नामांकन नहीं भरा है। यह बैठक जबलपुर में 18 जुलाई को सुबह 11 बजे से होटल गुलजार में आहूत की गई है जिसमें प्रदेश के दिग्गज नेता विधायक शिरकत करेंगे। जिनमें कैलाश विजयवर्गीय, वीडी शर्मा,विश्वास सारंग संदीप जायसवाल आदि शामिल हैं। जबलपुर के दिग्विजय सिंह तीसरी बार सचिव पद संभालेंगे। वे भी संघ से जुड़ा चेहरा हैं। उनके कार्य कुशलता और सबको साथ लेकर काम करने की प्रवृत्ति के कारण ही उनका फिर निर्विरोध चुना जाना तय है। इंदौर के पूर्व विधायक जीतू जिराती एक बार फिर कोषाध्यक्ष का पद संभालेंगे। संगठन में मप्र सरकार के मंत्री विश्वास सारंग और मोहन यादव के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा जबकि जबलपुर के प्रशांत सिंह, संजय सेठ का भी उपाध्यक्ष बनना तय है। वहीं अंतराष्ट्रीय अंपायर वीरेन्द्र सिंह ठाकुर, डीके विद्यार्थी संयुक्त सचिव, वीएस राजपूत, संजय यादव, लोक बहादुर, राजेश चौबे, श्रीमती सारिका गुप्ता, शिशिर तिवारी एमपीओए की कार्यकारिणी समिति में शामिल रहेंगे।

स्मार्ट सिटी द्वारा गुलौआ में सांस्कृतिक कार्यक्रम

जबलपुर। भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियान स्ट्रीट फॉर प्यूपिल के अंतर्गत कलेक्टर कर्मवीर शर्मा, निगमायुक्त संदीप जी आर, मुख्य कार्यपालिक अधिकारी निधि सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में जबलपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने गुलौआ ताल में चल रही पायलट टेस्टिंग में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें गुलौआ ताल पर घूमने आए लोगों ने इसका लुत्फ लिया। इसी बीच लोगों ने यहां पर किये जाने वाले कार्यों के लिए सुझाव भी दिए एवं सुझावों को सजेशन बॉक्स में डाला। गुलौआ ताल में पायलट टेस्टिंग हेतु बेरिकेड्स लगाकर ट्रैफि क व्यवस्था को सुगम किया गया एवं लोगों की सुरक्षा हेतु सीसीटीव्ही कैमरा भी लगाए गए। वाहनों की पार्किंग हेतु साइनेजेस भी लगाया गया। इस कार्यक्रम को नगर निगम आयुक्त संदीप जी आर के मार्गदर्शन में किया गया। इस दौरान जबलपुर स्मार्ट सिटी जबलपुर की मुख्य कार्यपालिक अधिकारी निधि सिंह राजपूत भी उपस्थित रही। जिन्होंने टेस्टिंग का जायजा लिया एवं कार्यक्रम में शामिल हुए प्रतिभागियों एवं शहरवासियों का उत्साहवर्धन किया। नाट्यलोक संस्था से शालनी, मनीषा, श्रुति, तनीषा, प्रगीत संगीत की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में गजेंद्र सिंह, सुश्री शैलजा सुलेरे, रवि राव, कु अनन्या गुप्ता, कु अनुष्का जिंदल, आरती नागले एवं स्मार्ट सिटी की टीम शामिल हुई ।

नियमों को ताक में रख शहर में धड़ल्ले से ताने हैं तंबू जड़ी-बूटी से इलाज कर रहे नीम-हकीम

जबलपुर। कई नीम-हकीम शहर के प्रमुख मार्ग व चौराहों पर तंबू लगाकर लोगों की जड़ी-बूटी से शर्तिया इलाज का दावा अपनी दुकान चलाते हैं। कम पड़े लिखे लोग जानकारी के अभाव में बीमारी में अस्पताल न जाकर इस तरह की नीम-हकीमों में चक्कर में पड़े रहकर अपनी जान जोखिम में डालते है। ये नीम-हकमी बिना डिग्री व बिना किसी जांच के सिर्फ चूर्ण व जड़ी-बूटियों से ये हर बीमारी के शर्तिया इलाज का दावा करते है। जानकारों को मुताबिक शहर में एक दर्जन से भी ज्यादा इस तरह के नीम-हकीमों की दवा दुकानें चल रही है और इन पर स्वास्थ्य विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। इन नीम हकीमों के चक्कर में पड़े रहने के बाद कई मरीजों की जब बीमारी से हालत गंभीर हो जाती है तो वो अस्पताल या चिकित्सक के पास इलाज के लिए पहुंचते है। स्वास्थ्य विभाग विभाग की जिम्मेदारी है कि वो इस तरह के नीम-हकीमों पर रोक लगाए लेकिन अभी तक इस तरह के नीम-हकीमों की रोकथाम के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। शहर में सड़क किनारे जड़ी बूटी बेचने वालों पर कार्रवाई न जाने क्यों नहीं की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसे लोगों पर कोई एक्शन नहीं लिया जा रहा है।

डाक जीवन बीमा एजेन्ट चयन हेतु साक्षात्कार कल

जबलपुर। जबलपुर एवं कटनी जिले में डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा के व्यवसाय अर्जन हेतु डायरेक्ट एजेंट का चयन किया जाना है, इसके लिये जबलपुर में बुधवार 14 जुलाई को प्रातः 11 बजे साक्षात्कार का आयोजन किया गया है। इसी प्रकार कटनी जिले के लिये साक्षात्कार शुक्रवार 16 जुलाई को प्रातः 11 बजे से किया जायेगा। इसके लिये संबंधित व्यक्ति की शैक्षणिक योग्यता 10 वीं पास या समकक्ष, उम्र 18 से 50 वर्ष, कम्प्यूटर व स्थानीय क्षेत्र का ज्ञान होना जरूरी है। आवेदन एवं अन्य जानकारी के लिये मोबाइल नम्बर 9301667559 और 7987583054 पर संपर्क किया जा सकता है। अर्हताएँ पूर्ण करने वाले इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा एवं प्रमाण-पत्र लेकर जबलपुर हेतु कार्यालय प्रवर अधीक्षक प्रधान डाकघर सिविल लाइन जबलपुर में तथा कटनी जिले हेतु मुख्य डाकघर कटनी में निर्धारित समय पर उपस्थित हो सकते हैं।

मप्र में 10वीं बोर्ड का रिजल्ट कल शाम को होगा घोषित

10.5 लाख स्टूडेंट्स के आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर घोषित होंगे नतीजे, कोई फेल नहीं होगा

जबलपुर,यशभारत। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाईस्कूल सर्टिफिकेट (10वीं) परीक्षा और हाईस्कूल (अंध, मूक बधिर श्रेणी) के परीक्षा परिणाम 14 जुलाई को शाम 4 बजे घोषित किए जाएंगे। इसमें प्रदेश के करीब साढ़े 10 लाख बच्चों को आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर उनके अंक पता चलेंगे। इस बार खास यह होगा कि परीक्षा में कोई छात्र फेल नहीं होगा। छात्र और अभिभावक बोर्ड की वेबसाइट पर अपना रिजल्ट देख सकेंगे। कोरोना संक्रमण के चलते इस बार बोर्ड परीक्षाएं आयोजित नहीं की गई हैं। इसलिए रिजल्ट आंतरिक मूल्यांकन के फॉर्मूले पर तैयार किया गया है। मंडल ने छात्रों और पैरेंट्स के लिए विभिन्न पोर्टलों के माध्यम से मूल्यांकन का परिणाम जानने की सुविधा उपलब्ध कराई है। सभी एमपी बोर्ड के पोर्टल https://mpbse.mponline.gov.in, www.mpbse.nic.in, www.mpresults.nic.in पर परिणाम देख सकेंगे।

मोबाइल ऐप पर भी देखें परीक्षा परिणाम

सभी छात्र MPBSE MOBILE ऐप या MP Mobile ऐप पर ÒKnow Your ResultÓ का चयन करने के बाद अपना रोल नंबर और आवेदन क्रमांक दर्ज कर परिणाम जान सकेंगे।

रिजल्ट से असंतुष्ट छात्र दे सकेंगे परीक्षा

मध्य प्रदेश बोर्ड की 10वीं की विशेष परीक्षाएं 1 से 25 सितंबर के बीच आयोजित की जाएंगी। इसमें रिजल्ट से असंतुष्ट छात्र शामिल हो सकेंगे। इसके बाद इसमें प्राप्त अंकों के अनुसार उनकी अंकसूची जारी की जाएगी। यानी जिन छात्रों को सरकार के बोर्ड परीक्षा में अंक देने के मूल्यांकन फॉर्मूले पर भरोसा नहीं है, वे परीक्षा की तैयारी शुरू कर सकते हैं। मंडल के सचिव की तरफ से जारी आदेश के अनुसार मूल्यांकन के तय फॉर्मूले के बाद परीक्षा परिणाम से असंतुष्ट छात्र को परीक्षा में शामिल होने के लिए 1 अगस्त से 10 अगस्त तक ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। परीक्षा के लिए निर्धारित केन्द्र और आयोजन का विस्तृत कार्यक्रम अलग से जारी किया जाएगा।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड रिजल्ट की तैयारी 15 जुलाई के आसपास आ सकता है

सीबीएसई की दसवीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे 15 जुलाई के आसपास कभी भी घोषित किए जा सकते हैं। बोर्ड की नतीजे जारी करने संबंधित तैयारियां लगभग हो गई हैं। सीबीएसइ के क्षेत्रीय ऑफिस के सूत्रों ने बताया कि 15 से 17 जुलाई के बीच नतीजे घोषित किए जाने की जानकारी मिल रही है। गौरतलब है कि इस साल कोविड संक्रमण के चलते अप्रैल के पहले सप्ताह में 10वीं एग्जाम को रद्द कर दिया गया था।इसके बाद बोर्ड ने मूल्यांकन मानदंड जारी किया था। इसके अनुसार इवैल्यूएशन क्राइटेरिया के हिसाब से 10वीं के स्टूडेंट्स का मूल्यांकन 100 अंकों के आधार पर किया जाएगा। 20 अंक स्टूडेंट्स के इंटर्नल एसेसमेंट के दिए जाएंगे। स्कूलों द्वारा स्टूडेंट्स के इंटरनल असेसमेंट सीबीएसई बोर्ड द्वारा भेजे जा चुके हैं। बचे हुए 80 अंकों में से स्टूडेंट्स को उनके शिक्षण सत्र में हुई टेस्ट या परीक्षाओं के आधार पर दिए जाएंगे।सीबीएसई के स्कूलों को 10वीं के अंक जमा करने का काम 30 जून तक चला। उनसे अंक अपलोड करवाए थे। यह काम 11 जून को हो जाना था, लेकिन अंक जमा करने की तारीख 30 जून तक बढ़ाए जाने से अब रिजल्ट बनने की स्थिति बनी है।

उच्च न्यायालय ने दी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि

जबलपुर। मध्यप्रदश उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधिपति मोहम्मद रफीक ने मुख्यपीठ जबलपुर एवं खण्डपीठ इंदौर एवं ग्वालियर में ऑनलाईन फुल कोर्ट रेफरेन्सस के माध्यम से शोक संवेदनाएं व्यक्त कर दिवंगतआत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की ।

उच्च न्यायालय ने 12 जून को अपनी फुल कोर्ट रफेरेन्स के माध्यम से उन 18 न्यायिक अधिकारीगण, 501 अधिवक्तागण, महाधिवक्ता कार्यालय के 1 अधिकारी/कर्मचारी, उच्च न्यायालय के 11 कर्मचारीगण एवं राज्य के जिला न्यायालयों के 84 कर्मचारीगण को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जिनका 01.01.2021 से 30.06.2021 के मध्य की अवधि के दौरान कोविड अथवा अन्य कारणों से अप्रत्याशित रूप से दुखद निधन हुआ । समस्त न्यायाधिपति इस अवसर पर वर्चुअल रूप से उपस्थित थे। महाधिवक्ता पुरुषेद्र कौरव, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष रमन पटेल, मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद केअध्यक्ष विजय चैधरी, हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार एसोशिएशन, जबलपुर के अध्यक्ष मनोज शर्मा, असिस्टेंटसालीसिटर जनरल एस.के. जैन, वरिष्ठ अधिवक्ता परिषद, जबलपुर के सचिव श्री आदित्य अधिकारी, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ, इंदौर की तदर्थ समिति के वीर कुमार जैन, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ, ग्वालियर के अध्यक्ष एमपीएस रघुवंशी ने दिवंगत आत्माओं के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं ।

टारगेट से कम वसूली के कारण राजस्व निरीक्षकों को नोटिस जारी

जबलपुर । नगर निगम द्वारा शहर में अद्योसंरचना एवं विकास कार्यो को गति प्रदान करने तथा शहर के नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं में बढ़ोत्तरी करने के उद्देश्य से राजस्व वसूली के लिए संभागवार एवं वार्डवार वसूली अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए निगमायुक्त संदीप जी आर द्वारा सभी संबंधितों को एक लक्ष्य निर्धारित करते हुए वसूली की कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिये गए थे, लेकिनआज समीक्षा बैठक के दौरान पाया गया कि संभाग क्रमांक 8 भानतलैया, 12 घंटाघर एवं 16 नया संभाग के राजस्व निरीक्षकों का कार्य संतोषजनक नहीं है। जिसके कारण निगमायुक्त ने तीनों राजस्व निरीक्षकों क्रमशः देवनाथ राठौर, भोले सिंह एवं सुखराम पटैल को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया। इसी प्रकार निगमायुक्त संदीप जीआर ने ऐसे 10 करसंग्रहिताओं को भी कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है, जिनके द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप उनका प्रदर्शन खराब रहा। इस संबंध में निगमायुक्त ने उपायुक्त राजस्व पी एन सनखेरे को भी निर्देशित किया है कि उपरोक्त सभी राजस्व निरीक्षकों एवं करसंग्रहिताओं से प्राप्त स्पष्टीकरण का परीक्षण करते हुए कार्यवाही हेतु प्रस्ताव प्रस्तावित करें। इसके साथ ही निगमायुक्त ने यह भी निर्देशित किया है कि वसूली के लिए समस्त राजस्व निरीक्षकों एवं करसंग्रहिताओं पर सतत् निगरानी रखें और लक्ष्य के अनुरूप सभी से वसूली कार्य करने प्रतिदिन प्रेरित करें। उन्होंने उपायुक्त पी एन सनखेरे को निर्देशित किया कि वसूली के कार्यो में लापरवाही करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों को बख्सा न जाए।

10 करसंग्रहिताओं के ऊपर भी की जायेगी अनुशासनात्मक कार्यवाही

अवैध मदिरा परिवहन के मामलों में राजसात किये गये वाहनों की होगी नीलामी

जबलपुर । आबकारी विभाग द्वारा जबलपुर जिले में अवैध मदिरा परिवहन के मामलों में राजसात किये गये 26 वाहनों की नीलामी 20 जुलाई को की जायेगी। नीलाम किये जा रहे वाहनों में दोपहिया एवं चार पहिया वाहन शामिल हैं।सहायक आयुक्त आबकारी जबलपुर के अनुसार अवैध मदिरा परिवहन के मामलों में राजसात किये गये वाहन संबंधित पुलिस थानों, भंडारगृह, आबकारी नियंत्रण कक्ष जबलपुर सिहोरा एवं कजरवारा में खड़े हैं। वहां इनका अवलोकन किया जा सकता है। नीलामी की प्रक्रिया एवं शर्तों के संबंध में विस्तृत जानकारी सहायक आयुक्त आबकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। राजसात किये गये वाहनों की नीलामी कलेक्टर द्वारा गठित समिति द्वारा की जायेगी।

कर्मचारी संघ द्वारा राज्य शिक्षा सलाहकार डॉ.श्रद्धा तिवारी सम्मानित

जबलपुर। मध्य प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ द्वारा मध्य प्रदेश शासन से नव नियुक्त राज्य शिक्षा सलाहकार डॉ. श्रद्धा तिवारी को सम्मानित किया गया।समारोह में प्रांतीय महामंत्री पं. योगेंद्र दुबे, आलोक अग्निहोत्री, मुकेश सिंह, संतोष दुबे, एम एल शर्मा, राम शंकर शुक्ला, दुर्गेश पांडे, आशुतोष तिवारी, राकेश उपाध्याय, श्रीमती सपना शुक्ला , संस्कृति शुक्ला व सात्विक शुक्ला आदि उपस्थित थे। पं. योगेंद्र दुबे ने शिक्षा के प्रति डॉ श्रद्धा तिवारी की निष्ठा, त्याग, व समर्पण को नमन करते हुए उन्हें अग्रणी शिक्षादूत बताया। अध्यापक प्रकोष्ठ के प्रांतीय संयोजक मुकेश सिंह ने कहा कि डॉक्टर तिवारी के शिक्षा सलाहकार बनने से प्रदेश के शैक्षिक विकास को गति मिलेगी। श्री आशुतोष तिवारी ने कहा कि डॉ तिवारी शिक्षक - शिक्षार्थी और सरकार के बीच सेतु का काम कर शैक्षिक प्रगति का आधार बनेंगी।श्री संतोष दुबे ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में डा तिवारी के साहसपूर्ण दायित्व निर्वहन, त्याग और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि अब आपकी कार्यक्षमता एवं ऊर्जा का शिक्षा जगत के उन्नयन में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होगा डॉ श्रद्धा तिवारी ने कहा कि शासन द्वारा सौंपे गए दायित्व का आप सबके सहयोग से शिक्षा,शिक्षक और शिक्षार्थियों के हित में समुचित ढंग से निर्वहन का प्रयास करूंगी। संचालन आलोक अग्निहोत्री ने तथा आभार प्रदर्शन राम शंकर शुक्ला ने किया। इस अवसर पर संघ के श्याम नारायण तिवारी प्रणवसाहू राकेश दुबेगणेश उपाध्याय नितिन अग्रवाल गगन चौबे नितिन शर्मा प्रियांशु शुक्लाविनय नामदेव संतोष तिवारी राकेश पांडेसोनल दुबे देवदास शुक्लाआदि उपस्थित थे ।

अधिवक्ता मनीष तिवारी ने दिये हाईकोर्ट बार को 5 आक्सीजन सिलेण्डर

जबलपुर। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन में स्व. पीएस तिवारी एडवोकेट की जन्मतिथि में कार्यक्रम आयोजित किया गया ।इस अवसर में स्व. पीएस तिवारी एवं अन्य दिवंगत अधिवक्ताओं के छायाचित्रों के पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें याद किया गया। न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई।

इस अवसर पर अधिवक्ता मनीष तिवारी, को-चेयरमेन राज्य अधिवक्ता परिषद एवं सचिव मप्र एवं न्यायालय अधिवक्ता संघ के द्वारा अपने पिता स्व. पीएस तिवारी की जन्मतिथि के अवसर पर कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए अधिवक्ता एवं उनके परिवार को आक्सीजन की कमी ना हो इस समस्या को दृष्टिगत रखते हुए 5 आक्सीजन सिलेण्डर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी को सौंपा गया। साथ ही श्री तिवारी ने अधिवक्ता कल्याण के विभिन्न मदों से प्राप्त होने वाली लगभग 4 लाख 65 हजार रुपये कि सहयोग राशि लेने से इंकार कर दिया कहा कि यह जरूरतमंद अधिवक्ताओं को दे दिया जाए एवं हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के कर्मचारियों को निःशुल्क राशन वितरित करते आ रहे हैं। पूर्व में भी मनीष तिवारी ने अपने पिता स्व. श्री पीएस तिवारी की स्मृति में एक एम्बुलेंस, एक ई-रिक्शा, एक लाख की पुस्तकें, 1.11 लाख की डिजिटल लाइब्रेरी तथा अधिवक्ता कल्याण कोष में 50,000 /- एवं विगत 5 वर्षों से लगातार नवागत अधिवक्ताओं को विधि की पुस्तकें भेंट करते चले आ रहे हैं।

कोरोना से सपरिवार पीड़ित होने पर भी अधिवक्ता कल्याण के विभिन्न मद से प्राप्त होने वाली 4 लाख 65 हजार सहायता राशि लेने से किया इंकार

पहले एक क्षेत्र में सीवर का लाईन का काम पूरा करें

जबलपुर। संभागायुक्त एवं निगम प्रशासक बी चंद्रशेखर ने सीवर लाइन के कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए इसके कार्यों में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए हैं। सीवर लाइन की समानांतर प्रगति के साथ.साथ किसी एक क्षेत्र का चयन कर वहां कार्य पूर्ण कराए जाने के निर्देश भी संभागायुक्त एवं निगम प्रशासक ने दिए हैं।उन्होंने कहा है कि सभी क्षेत्रों में समान रूप से कार्य करने के साथ ही किसी एक क्षेत्र के कार्य को पूर्ण कर जल्द से जल्द कनेक्शन कराए जाएं ताकि सीवर लाइन का फ ायदा शहर के नागरिकों को मिल सके।ज्निगम प्रशासक बी चंद्रशेखर ने सीवर लाइन के कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए तय समय सीमा में पूर्ण कराए जाने पर भी जोर दिया। नगर निगम के द्वारा कराए जा रहे सीवर लाइन के कार्यों की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त बी चंद्रशेखर ने इस कार्य को पूरी गुणवत्ता के साथ किए जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए हैं। इस अवसर पर संभागायुक्त ने नगरीय के क्षेत्रों में चल रहे सीवर लाइन के कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए वर्तमान की प्रगति के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की एवं बारिश के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए सीवर लाइन के कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किए जाने के निर्देश दिए।उन्होंने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप सीवर लाइन के कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर इसका लाभ नागरिकों को दिलाने की दिशा में अधिकारी पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करें।बैठक में निगमायुक्त संदीप जी आर, स्मार्ट सिटी के सीईओ निधि सिंह राजपूत, कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, स्वास्थ्य अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, कार्यपालन यंत्री आर के गुप्ता, सहायक यंत्री सुनील दुबे आदि उपस्थित थे।

बढ़ता तापमान, हवाओं की गति
बदलती दिशा बारिश में रोड़ा

जबलपुरयशभारत। आधा जुलाई बीतने को आया, लेकिन अभी भी बारिश टुकड़ों में हो रही है। एक और सिस्टम 18-19 जुलाई को डेवलप हो रहा है। इससे झमाझम की आस है। मौसम विभाग ने 11 जुलाई से अच्छी बारिश की संभावना जताई थी, लेकिन बारिश तो हवा में उड़ गई ।जिस सिस्टम से पूरे मध्यप्रदेश में झमाझम होने वाला था, वह काफी तेजी से मूव करके गुजरात पर छा गया। इसकी वजह हवा की दिशा और तापमान में बढ़ोतरी है।

यही कारण रहा कि जबलपुर सहित पूरे प्रदेश में एक साथ घटाएं छा कर बरस नहीं सकीं। उमस के कारण लोग परेशान हैं। मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि तापमान में बढ़ोतरी के साथ हवाओं की गति और बदलती दिशा के कारण बारिश एक जैसी नहीं हो पा रही। अभी कुछ दिन पूरे प्रदेश में बारिश तो होती रहेगी, लेकिन टुकड़ों में। एक कम दबाव का क्षेत्र बंगाल की खाड़ी में दक्षिणी ओडिशा और उत्तरी आंध्रप्रदेश के तट पर बन गया है। इसके अलावा दो सिस्टम और बने हैं, जो मौसम को प्रभावित कर रहे हैं। पूरे प्रदेश को पानी तो गिरेगा लेकिन अभी झमाझम बारिश की संभावना ज्यादा नहीं है। इसका कारण बंगाल की खाड़ी में जिस सिस्टम से प्रदेश को भिगोने की संभावना बनी थी। वह काफी तेजी से मूव हुआ और गुजरात की ओर बढ़ गया। दो दिन पहले मानसून झारखंड के ऊपर था। रविवार को वह छत्तीसगढ़ और मप्र को क्रॉस करते हुए गुजरात की ओर बढ़ गया। यह तेजी से बढ़ने के साथ कमजोर भी हो गया है। पूरा सिस्टम अभी गुजरात में है। बंगाल की खाड़ी में एक और सिस्टम डेवलप हो रहा है, लेकिन यह भी मप्र के नीचे से मूव कर रहा है। यह ओडिशा से विदर्भ और फिर गुजरात की ओर बढ़ जाएगा। बारिश तो मिलती रहेगी, लेकिन अभी 4-5 दिन तेज बारिश की संभावना ज्यादा नहीं है। अभी तक 203.8 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। सोमवार को अधिकतम तापमान एक डिसे अधिक 33.6 रहा। जबकि आज को न्यूनतम तापमान 25.6 रहा। जबकि समाचार लिखे जाने तक पारा 31 डिसे पर जा पहुंचा था।

स्थानांतरण पाना कर्मचारी के अधिकार क्षेत्र

आवेदन सीधे डीईओ कार्यालय में ही लेना उचित होगा

जबलपुर। स्थानांतरण पर संकुल प्राचार्य की अनुशंसा के नाम पर यह लिखाना कि फलां शिक्षक के जाने से शैक्षणिक कार्य प्रभावित नहीं होगा,न्यायोचित नही है।भला ये कैसे संभव है कि कोई शिक्षक स्कूल से जाए और कार्य प्रभावित न हो? राज्य शिक्षक संघ जबलपुर के जिला अध्यक्ष नरेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि वास्तव में स्थानांतरण पाना कर्मचारी के अधिकार क्षेत्र की बात है और रिक्त पदों पर भर्ती या उसकी पूर्ति उच्च कार्यालय का दायित्व।प्राय: उच्च कार्यालय अपनी पदों की पूर्ति न कर पाने की अक्षमता को छुपाने के लिए ऐसे अनुचित नियम बनाते है।अगर स्थानांतरण पालिसी होती है तो किसी व्यक्ति विशेष को रोकना गलत है। जबलपुर जिले के शिक्षकों के आवेदन में ऐसी स्थिति बनाई गई है। जिला शिक्षा अधिकारी से आग्रह है कि कृपया इन बातों पर पुनर्विचार करने की कृपा करें।आवेदनों के प्रस्तुतिकरण का तरीका कर्मचारी की सुविधा और कोरोना संक्रमण के बचाव के नजरिये से तो ठीक है पर आप देखना अनेक लोगों के आवेदन संकुल स्तर से डीईओ तक पहुँचने में अनेक दिक्कतें आएंगी।कोई आपसे मार्गदर्शन मांगेगा,कोई नेताओ से मोबाइल लगवाएगा,कोई अपने प्राचार्य की टिप्पणी से असंतुष्ट हो यहाँ वहाँ शिकायत करेगा।अब मान लो माध्यमिक में एक गणित विषय का शिक्षक है वो आवेदन देगा तो प्राचार्य लिखेंगे ही कि इनके जाने से शाला में गणित का शैक्षणिक कार्य प्रभावित होगा।स्कूल में जितने शिक्षक हो सभी आवेदन करें तो प्राचार्य जी मार्गदर्शन मांग सकते है।अकारण विलंब की स्थिति बनेगी।समय की कमी को देखते हुए आवेदन सीधे डीईओ कार्यालय में ही लेना उचित होगा।

तड़पती प्रसूतिका को मिला आरपीएफ का सहारा

कल्याण से प्रयागराज की यात्रा कर रही थी महिला

जबलपुर यश भारत। पश्चिम मध्य रेल के रेल सुरक्षा बल द्वारा रेल यात्रियों को हमेशा ही सभी सुविधाओं की मदद के लिए तैयार रहती हैं। उसने प्रसव पीड़ा से तड़पती महिला को ट्रेन में पहुंव कर सहारा दिया। जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 02167 एलटीटी-मंडुहाडीह स्पेशल ट्रेन में कल्याण से प्रयागराज छिवकी की यात्रा कर रहे यात्री लक्ष्मण मरावी की पत्नी को कटनी स्टेशन के नजदीक प्रसव पीड़ा होने लगी । उसने तत्काल सहायता के लिये आरपीएफ चेक पोस्ट कटनी स्टेशन में बताया कि मेरी गर्भवती पत्नी को पेट में असहनीय दर्द हो रहा है। ड्यूटी पर उपस्थित आरपीएफ स्टॉफ सहायक उप निरीक्षक अशोक कुमार गौतम अपने साथ प्रधान आरक्षक शिवराम शर्मा एवं आरक्षक सत्येंद्र कुमार को लेकर गाड़ी के कोच में पहुंचे तत्परता से स्टॉफ व महिला यात्रियों की मदद से गर्भवती महिला यात्री को कोच से उतारकर बाहर लाया गया तथा अविलंब 108 एंबुलेंस को बुलाया गया। प्र.आ. शिवराम शर्मा को एंबुलेंस के साथ जिला अस्पताल कटनी के लिए भेजा जा रहा था कि इसी दौरान गर्भवती महिला यात्री का कटनी स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में ही डिलेवरी हो गई। उस समय उपस्थित डॉक्टर उमा पटेल द्वारा डिलेवरी कराई गई। उक्त डिलेवरी के दौरान मौके पर महिला उप निरीक्षक सुरभि ठाकुर भी उपस्थित रही। उसके बाद उपनिरीक्षक आरपीएफ द्वारा डॉक्टर उमा पटेल से महिला व बच्चा की स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा डॉक्टर द्वारा दोनों को स्वस्थ बताया । इसके पश्चात महिला को प्राथमिक उपचार देकर महिला व नवजात बच्ची को जिला चिकित्सालय कटनी में भर्ती कराया गया। इस प्रकार रेल सुरक्षा बल की ततपरता से महिला यात्री को बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराई गई।

घर में बिना बताए भाग कर जा रही थी मुंबई

जबलपुर। अपने घर से भागकर ट्रेन से वाराणसी से मुंबई जा रही एक नाबालिग को रेल सुरक्षा बल ने उतार लिया। । रेल सुरक्षा बल कटनी को ट्रेन एस्कोर्टिंग के दौरान गाड़ी नंबर 01072 वाराणसी-लोकमान्य तिलक टर्मिनल कामायनी एक्सप्रेस के स-2 कोच में एक नाबालिग लड़की घर से बिना बताए हुए मुंबई जा रही है। उक्त नाबालिग आरपीएफ कटनी एस्कोर्टिंग टीम में तैनात प्रधान आरक्षक सुरजन सिंह के साथ निगरानी में है। जिसकी सूचना मण्डल सुरक्षा नियंत्रक जबलपुर को भी दी गई है। सूचना पर दमोह पोस्ट से प्रधान आरक्षक कमलेश यादव, महिला आरक्षक विनीता विश्वकर्मा ने गाड़ी के दमोह स्टेशन आगमन होने पर गाड़ी को अटेंड किया, एवं प्रधान आरक्षक सुरजन यादव के साथ उक्त लड़की को आरपीएफ पोस्ट दमोह लाया गया । पूछताछ करने पर उसने अपने पिता का नाम कपिल देव गौतम, निवासी मोड़ थाना सदर कोतवाली जिला प्रतापगढ़, यूपी बताया। आरपीएफ पोस्ट में नाबालिग लड़की को महिला आरक्षक के संरक्षण में रखा गया । उप निरीक्षक सुनील कुमार मिश्रा द्वारा महिला आरक्षक के संरक्षण में उक्त नाबालिग लड़की से जांच पूछताछ किए जाने पर उसने यह भी बताया कि वह अपने घर से भागकर ट्रेन से वाराणसी से मुंबई जा रही थी । उक्त लड़की के पास कोई कागजात, रुपया पैसा या अन्य सामान नहीं एवं अपने पिता का मोबाइल नंबर बताया। लड़की के पिता को दूरभाष नंबर पर सूचित किया गया एवं उसके पिता द्वारा संबंधित पुलिस थाना में कोई एफआईआर आदि दर्ज नहीं कराया गया। इसके पश्चात चाइल्डलाइन दमोह फोन नं 1098 पर एवं सिविल पुलिस थाना दमोह कोतवाली को सूचना दी गई। ततपश्चात चाइल्डलाइन दमोह से चाइल्डलाइन प्रतिनिधि अजीता तिवारी एवं सबबू लाल अहिरवार के पोस्ट पर आने उपरांत उक्त नाबालिग लड़की को सही हालत में चाइल्ड लाइन प्रतिनिधि को सुपुर्द किया गया।

कृषि विवि कर्मचारियों की समस्याओं पर बैठक संपन्न

जबलपुर । जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की लम्बित मांगों पर विधायक अशोक रोहाणी के समक्ष विवि परिसर में चर्चा हुई। जिसमें विवि की ओर से कुलसचिव रेवासिंह सिसोदिया एवं लेखानियंत्रक व्ही.एन. बाजपेयी मौजूद रहे। चर्चा में विवि प्रशासन का रूख सकारात्मक रहा और मुख्य मांगों 7वें वेतन एवं पेंशन 01.01.2016 से देने व दैनिक वेतन पद पर की गयी सेवा अवधि को निरन्तर मानने एवं टाइम स्केल कर्मचारियों की आयु 60 से 62 वर्ष करने पर सहमति बनी व इस मांग को विधायक श्री रोहाणी ने शासन से बातचीत कर षीघ्र निराकरण करने का आष्वासन दिया। बैठक में कृषि नगर कालोनी में रहने वाले लोगों की प्रतिनिधित्व करते हुये बूथ प्रभारी नितिन आनंद ने कालोनी में रहवासियों की समस्याओं से विधायक श्री रोहाणी एवं विवि प्रशासन को अवगत कराया, जिसके निराकरण हेतु सभी ने आशवस्त किया। बैठक में कर्मचारी संघ के पूर्व महासचिव रमाकान्त मिश्रा, के.पी. सिंह, वीरेन्द्र पटेल, रामभजन कुषवाहा, प्रेमलाल चतुर्वेदी, भाजपा के वीर सावरकर मंडल अध्यक्ष विनोद गुड्डा केवट, पूर्व पार्षद ऋषि यादव, मंडल उपाध्यक्ष बब्लू बैरागी, मीड़िया प्रभारी रोहित सेन, कृषि नगर आवासीय परिसर के प्रभारी नितिन आनंद और अन्य भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

अंशदायी पेंशन योजना कर्मचारियों के लिए बनी अभिशाप

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के प्रांतीय सचिव मीनूकांत शर्मा ने अंशदायी पेंशन योजना को कर्मचारियों के लिए अभिशाप बताया और कहा कि अध्यापक संवर्ग के शिक्षकों का संविलियन शिक्षा विभाग में हो चुका हैं एवं उन्हे प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक षिक्षक का पदनाम भी दिया जा चुका हैं , इनकी नियुक्ति सन 1998 से विभाग में हुई है परंतु वर्षो से सेवा विभाग में देने के पष्चात भी इन्हे पूंर्ण पेंषन का लाभ नहीं दिया जा रहा है जिससे इन कर्मचारियों की मानसिकता पर बुरा असर पड़ा हैं इनमें से कई प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक षिक्षक सेवानिवृत्त हो चुके है और पेंषन के अभाव में इनकी आर्थिक स्थिति बहुत खराब है जिससे जीवकोपार्जन करना कठिन हो रहा है। ये सिर्फऔर सिर्फशासन की दोहरी नीति का शिकार हुए हैं जिससे कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। संघ के जिलाध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन, जियाउर्रहीम, दिनेष गौंड़, विनोद सिंह, आषाराम झारिया, राजेष सहारिया, कन्हैया लाल पटेल, सुनील श्रीवास्तव, हद्रेष कुमार सिंह, अंबिका सिंह, शैलष पंडिया, अजय मिश्रा, अनूप सिंन्हा, मनीष झारिया, त्रिलोक सिंह, संजू पांडे, राजेष तिवारी, समर सिंह ठाकुर, धर्मेन्द्र गुप्ता, आदि ने मुख्य मंत्री महोद्य से मांग की है कि न्यू पेंषन योजना को हटा कर ओल्ड पेंषन योजना लागू की जाए।

अमखेरा से खजरी मार्ग की हालत दयनीय

राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा को दिया ज्ञापन

जबलपुर। अमखेरा से लेकर खजरी बायपास तक का रास्ता आज यहां से गुजरने वाले हजारों रहवासियों के लिये काल बना हुआ है । घटिया सड़क के चलते बीते कुछ सालों में दर्जनों लोगों की सड़क हादसे में मौत इस मार्ग पर हुई है । वहीं सैंकड़ों लोग घायल हुये हैं. इस मार्ग का सड़क निर्माण वर्षों से प्रस्तावित एवं पास है । दर्जनों धरने प्रदर्शन ज्ञापन निवेदन हो चुके है। लेकिन आज तक शासन प्रशासन के कान में जूं नहीं रेंगी और सड़ क का काम शुरु नहीं हो सका। जिसका खामियाजा आमजनता भुगत रही है। यह बात समाजसेवी याकूब अंसारी ने राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण

तन्खा से कही । याकूब अंसारी, अयाज राईन के नेतृत्व में क्षेत्रीय निवासियों ने राज्यसभा सांसद को अमखेरा से लेकर खजरी बायपास तक के मार्ग की वास्तुस्थिति से राज्यसभा सांसद को अवगत कराया । राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा ने तत्काल संभागीय आयुक्त को पत्र लिखा कर शहर व ग्रामीण जनता की अत्यंत जन समस्या को ध्यान में रखकर रोड निर्माण कराने का आश्वासन दिया । ज्ञापन में कहा गया यदि 25 दिनों के अन्दर स?क का निर्माण कार्य शुरु नहीं हुआ तो क्षेत्र की जनता आंदोलन के लिये मजबूर होगी 7जिसकी सम्पूर्ण जवाबदेही जिला प्रशासन एवं निगम प्रशासन की होगी 7 इस दौरान सरदार अयाज राइन महफूज टेलर ,द्वारका वर्मा ,अकरम अंसारी ,संतोष पटेल ,तबरेज आलम बाबु , श्याम लाल , शेरा मास्टर , चन्द्र कुमार शर्मा ,आसिफ मंसूरी ,असलम घी वाले , नीरज रजक, प्रमोद कोल, मुकेश विशकर्मा, कलीम बाबा, आजम मंसूरी याकूब अंसारी आदि उपस्थित रहे ।

101 पौधारोपण के दूसरे दिन अग्रवाल समाज द्वारा रोपे गए पौधे

जबलपुर। सुखदु:ख परिवार द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनमोहन नगर में 101 पौधे रोपे जाने के क्रम में जबलपुर शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा वृक्षारोपण किया जा रहा है, जिसमे आज अग्रवाल समाज के अध्यक्ष श्री बृजमोहन अग्रवाल, सचिव श्री आनंद अग्रवाल एवं श्री गोविंद अग्रवाल जी की गरिमामयी उपस्थिति में 5 पौधे रोपे गए। साथ ही समाज के लोगों द्वारा अस्पताल में विजिट कर सामाजिक स्तर पर यथासंभव सहयोग करने का आश्वासन भी दिया गया।इस अवसर पर श्रीमती गायत्री अग्रवाल, उमेश अग्रवाल, अजीत अग्रवाल, आशालता अग्रवाल, एन डी अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल बब्बा जी, डॉ विजय अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, आर डी अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल के साथ साथ सुखदु:ख परिवार के पवन तिवारी, भोलेशंकर सोनी, श्वेता सिंह, अनुज जैन, मनीष विश्वकर्मा, दौलत चौधरी, अमित चौधरी उपस्थित रहे।

जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ

जबलपुर। जगत के प्रभु श्री जगन्नाथ स्वामी का रथयात्रा महोत्सव साहू समाज द्वारा संचालित श्री जगदीश स्वामी कर्मामाई शंकर भगवान मंदिर ट्रस्ट के तत्वाधान में साहू धर्मशाला गढ़ाफाटक में धूमधाम से मनाया गया। उल्लेखनीय है कि कोरोनॉ महामारी के कारण विगत वर्ष और इस वर्ष भी रथयात्रा स्थगित की गई थी और प्रशासन के आग्रह पर साहू समाज द्वारा रथयात्रा नही निकालने का निर्णय लिया गया था किंतु श्रद्धालुओं के दर्शन में मंदिर में हो सके इस हेतु समाज ने परिसर में ही छोटे रूप में सात परिक्रमा लगाकर भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई श्री बलभद्र एवँ बहिन देवी सुभद्रा को एक स्थान से दूसरे स्थान पर मंदिर को सजाकर स्थापित किया गया जहाँ श्रद्धालुओं ने सुबह से रात तक भगवान के दर्शन किये और उनके महाप्रसाद मीठा भात को ग्रहण किया।ट्रस्ट के संचालक सदस्य कोठिया श्रीकान्त साहू ने बताया कि जगन्नाथ पुरी की तर्ज पर वात्री साहू समाज द्वारा विगत 132 वर्षों से रथयात्रा महोत्सव मनाया जा रहा है जो 130 वर्षों से अनवरत जारी था और दो वर्ष मंदिर में ही भगवान के दर्शन भक्तों ने किए। श्री साहू ने बताया कि मंदिर में स्थापित भगवान की काष्ठ की प्रतिमा उसी लकड़ी से निर्मित है जिससे जगन्नाथ पुरी में स्थापित भगवान की प्रतिमा बनाई गई है। उन्होंने बताया कि ऐसी मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ स्वामी अपने बड़े भाई और छोटी बहिन के साथ भक्तों को दर्शन देने निकलते है और 13 दिनों तक अपनी मौसी के घर निवास करते है एवँ गुरु पूर्णिमा के दिन उल्टी रथयात्रा के साथ ही भगवान अपने धाम लौटते है।इस अवसर पर साहू धर्मशाला मंदिर में भगवान के दर्शन नरसिंह पीठाधीश्वर स्वामी नरसिंहदास जी महाराज, विधायक विनय सक्सेना, पूर्व महापौर प्रभात साहू, सनातन धर्म महासभा से शरद काबरा, सुधीर अग्रवाल, भाजपा महामंत्री संदीप जैन, पूर्व पार्षद अमित जैन, शरद ताम्रकार, पंकज पांडे के साथ बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन किये। कार्यक्रम में साहू समाज के मुखिया चौधरी द्वारकाप्रसाद साहू, मेहते राजेन्द्र साहू, रविशंकर साहू, ट्रस्ट संचालक चौधरी मुकेश साहू, नरेंद्र साहू, हरीश साहू, पप्पू साहू, राकेश साहू,जयप्रकाश साहू, पप्पी साहू सहयोगी, राजेश साहू पप्पू, श्रीकान्त साहू, विशाल साहू, निशांत साहू, महेश साहू, प्रमोद साहू का विशेष सहयोग रहा।

सड़क हादसे की जांच के लिए पहुंचे पुलिस कर्मियों को ट्रक ने मारी टक्कर

जबलपुर यश भारत। बीती रात बरगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुकरी गांव के पास एक बाइक स्लिप हो जाने के कारण उसमें सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिसकी सूचना बरगी पुलिस एवं टोल प्लाजा एंबुलेंस को दी गई सूचना के आधार पर बरगी थाना में पदस्थ एएसआई आरके मिश्रा एवं आरक्षक विपुल व टोल प्लाजा के 3 कर्मी एंबुलेंस लेकर दुर्घटना स्थल पर पहुंचे थे पुलिसकर्मी जब लिखा पढ़ी का काम कर रहे थे इसी दौरान सिवनी से जबलपुर की ओर आ रहे ट्रक के चालक वाहन को तेज गति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुए जबरदस्त टक्कर मार दी । दुर्घटना में दो पुलिसकर्मियों सहित टोल प्लाजा एंबुलेंस के कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए । सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस द्वारा घायल बाइक सवारों को

जबलपुर रेफर ट्रक जप्त चालक फरार

उपचार के लिए मेडिकल में लाकर भर्ती कराया गया वही बरगी थाने में पदस्थ एएसआई श्री मिश्रा एवं आरक्षक विपुल को जामदार हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इस संबंध में बरगी पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात 1:00 बजेथाना क्षेत्र के अंतर्गत सुकरी ग्राम के पास बाइक में सवार 3 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे राहगीरों ने जब इनको घायल अवस्था में पढ़े हुए देखा तो इसकी सूचना उनके द्वारा बरगी पुलिस एवं टोल प्लाजा एंबुलेंस कर्मियों को दी गई सूचना के आधार पर पुलिसकर्मी एवं टोल प्लाजा की एंबुलेंस दुर्घटना स्थल पर पहुंची जहां पर घायलों को एंबुलेंस में शिफ्ट कराया जा रहा था इसी दौरान शिवनी की ओर से जबलपुर जा रहे ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए जबरदस्त टक्कर मार दी जिसमें 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए उक्त दुर्घटना की सूचना जैसे ही अन्य पुलिसकर्मियों को लगी तो वह मौके पर पहुंचे घायलों की मदद करते हुए उनको उपचार के लिए जबलपुर रवाना किया गया पुलिस ने दुर्घटना की पड़ताल शुरू कर दी है।

विधायक व पूर्व पार्षद ने दी ओपन जिम की सौगात

जबलपुर। व्यक्ति के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए व आमजन मानस को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से केन्ट विधानसभा अंतर्गत आने वाले निर्मलचन्द जैन वार्ड के नागरिकों को केन्ट विधानसभा के विधायक अशोक रोहाणी व निर्मलचन्द जैन वार्ड के पूर्व पार्षद ऋषि यादव के द्वारा ओपन जिम की सौगात दी है। अब इस ओपन जिम के माध्यम से क्षेत्र के नागरिक स्वयं अपने स्वास्थ्य की चिंता करते हुए स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे और इससे बच्चों से लेकर हर वर्ग उम्र के लोगों को लाभ अर्जित होगा। वार्ड के नागरिकों को यह सौगात मिलने से उनके चेहरे खुशी खिल उठे। इस संबंध में क्षेत्रीय पूर्व पार्षद ऋषि यादव ने बताया कि लम्बें समय से उनके द्वारा व क्षेत्र के विधायक अशोक रोहाणी के द्वारा क्षेत्र के नागरिकों की स्वास्थ्य के प्रति चिंता थी कि नागरिक बेहतर रूप से जिम और व्यायाम कर स्वास्थ्य लाभ लें सकें, इसके लिए विधायक के अथक प्रयासों से क्षेत्र के नागरिकों को ओपन जिम की सौगात मिली। जिससे अब क्षेत्र के तमाम नागरिक अपनी-अपनी सेहत का ध्यान रख सकेंगे। इस अवसर पर गुड्डा केवट, ऋषि यादव, हेमलता यादव, रामनाथ पटेल, पूजा पटेल, गुडी साहू, बिंदेश्वरी यादव आदि मौजूद रहे।

पमरे के राज्य स्तरीय स्काउट गाइड शिविर का शानदार समापन
3 मंडलों से 50 लीडरों ने की शिरकत

***जबलपुर यश भारत।** पश्चिम मध्य रेल, भारत स्काउट एवं गाइड, राज्य मुख्यालय, जबलपुर के तत्वाधन में जिला स्काउट डेन, जबलपुर में राज्य स्तरीय एक दिवसीय शिविर सह स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार संपन्न हुई। इस शिविर मे मुख्यालय के साथ-साथ जबलपुर, कोटा एवं भोपाल जिला संघों के लगभग 50 स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर एवं लीडरों ने भाग लिया। सर्व प्रथम शिविर प्रात: स्काउट-गाइड ध्वज के ध्वजारोहण के साथ का प्रारंभ हुई। तत्पश्चात पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य सचिव सुवीर श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों का परिचय प्राप्त किया। इसके बाद स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार में रेलवे केन्द्रीय चिकित्सालय, जबलपुर के सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. नाजिया तब्बसुम तथा डायटीसियन श्रीमती मंजरी दुबे ने स्काउट्स

एवं गाइड्स सदस्यों को व्याख्यान दिया तथा उन्हें यह बताया कि कैसे बेहतर खान-पान से अपने शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर सकतें है। इसके पूर्व सेमिनार के मुख्य अतिथि राज्य मुख्य आयुक्त एवं वरि. उप महाप्रबंधक विजय कुमार गुप्ता के साथ-साथ सभी अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर राज्य मुख्य आयुक्त ने स्काउट्-गाइड्स सदस्यों का उत्साहवर्द्धन किया तथा उन्हें डॉक्टरों द्वारा बताये गये बातों पर अमल करनें को कहा। शिविर में बच्चों के लिए अन्य प्रतियोगिताएं जैसे क्वीज, गेम्स इत्यादी भी आयोजित की गयी जिसके लिए उन्हें पुरस्कृत किया गया। शिविर के समापन समारोह में राज्य सचिव, सुवीर श्रीवास्तव, उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/यात्री सेवा ने मुख्य अतिथि, डॉक्टरों एवं कार्यक्रम के सफलता के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

इनका रहा सराहनीय योगदान

शिविर को सफल बनामें में सुप्रकाश, वरि.मंडल कार्मिक अधिकरी, जबलपुर , जी.के.नंदनवार, सहा.राज्य सचिव, आशीष शर्मा, रा.क्वार्टर मास्टर, अशोक कुमार चौबे , राज्य संगठन आयुक्त/स्काउट, सुश्री वेवर्ली नरोन्हा, राज्य संगठन आयुक्त/गाइड, रंजन कुमार सिंह, सहा.राज्य राजेन्द्र पैगवार, स्काउट मास्टर, संजीव तिवारी, रोवर स्काउट लीडर ने अहम योगदान दिया।

197 बच्चों का हुआ स्वर्ण प्राशन संस्कार

जबलपुर । शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय ग्वारीघाट में आज सोमवार को नवजात शिशु से लेकर 16 वर्ष तक के बच्चों को पुष्य नक्षत्र पर प्रात: 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक स्वर्ण प्राशन संस्कार एवं प्रतिरक्षा औषधि वितरित की गई। इसमें 197 बच्चों को दवा पिलाने के साथ-साथ औषधि का वितरण किया गया।

आवश्यकता है

शिक्षिकाओं की आवश्यकता है किड्स जोन इंग्लिश मीडियम स्कूल पाटन E-mail-kid-szonepatan@gmail.com पर वायोडाटा सेंट करें।

-सम्पर्क-

8223951666, 7974045645

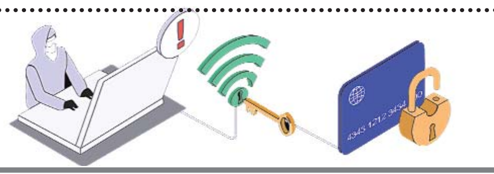

संपादकीय

उ. प्र. की पहल से संसाधनों में संतुलन

देश में भौगोलिक क्षेत्रफल के लिहाज से चौथे नंबर वाले उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी आबादी रहती है। यह जनसंख्या दुनिया के कई मुल्कों के बराबर बैठती है। ऐसे में यदि योगी सरकार ने जनसंख्या नीति की घोषणा बढ़ती आबादी पर अंकुश लगाने की कोशिश में की है तो उसका स्वागत होना चाहिए। बल्कि ऐसी पहल पूरे देश में की जानी चाहिए। संभव है योगी सरकार के फैसले को आसन्न विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक नजरिये से देखा जाये। यह भी कि विपक्षी दल इस फैसले को सांप्रदायिक नजरिये से भी व्याख्या करें, लेकिन देश के समक्ष पैदा हालात के दृष्टिकोण से इसे देखा जाना चाहिए। जनसंख्या दिवस पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घोषित जनसंख्या नीति 2021-30 का अनुकरण देशव्यापी होना चाहिए। जनसंख्या विस्फोट को रोकने में उत्तर प्रदेश सफल होता है तो संभव है कि राज्य के बेटों को नौकरी की तलाश में विभिन्न राज्यों में धक्के खाने की नौबत नहीं आयेगी। इस पर लगा बीमारू राज्य का दाग मिट सकेगा। कोरोना संकट में राज्य और देश ने देखा कि बढ़ती आबादी के सामने चिकित्सा के संसाधन बौने पड़ गये। लोग बेड, ऑक्सीजन व एंबुलेंस के लिये दर-दर की ठोकरें खाते रहे। सही मायनों में राज्य की दौड़ की राह में बढ़ती आबादी बड़ी बाधा साबित हुई है। दक्षिण भारत के कई राज्यों ने जनसंख्या नियमन और शिक्षा के प्रचार-प्रसार से प्रगति के नये लक्ष्य हासिल किये हैं। यह हकीकत है कि अकुशल राजनीतिक प्रबंधन और भ्रष्टाचार के अलावा विकास के लक्ष्य समय से हासिल न कर पाने की बड़ी वजह बेलगाम आबादी है। ऐसे में पारदर्शी ढंग से लागू योगी सरकार की नीति दूरगामी परिणाम दे सकती है। बशर्ते आसन्न चुनावों के चलते मुद्दा राजनीति का शिकार न हो। जनसंख्या विस्फोट आज वैश्विक चुनौती है। खासकर विकासशील देशों में जहां रोजगार के अवसर व प्राकृतिक संसाधनों की कमी है। बेहतर जीवन परिस्थितियों के लिये जनसंख्या नियंत्रण और शैक्षिक स्तर ऊंचा करने की जरूरत है। विश्वव्यापी कोविड संकट ने इस समस्या को अधिक जटिल बनाया है क्योंकि रोजगार के अवसरों का भयावह रूप में संकुचन हुआ है। जिन देशों ने आबादी को समय रहते नियंत्रित किया, वहां आज खुशहाली की बयार नजर आती है। उत्तर प्रदेश के मामले में प्रजनन दर का राष्ट्रीय औसत से अधिक होना, राज्य सरकार की चिंता बढ़ा रहा है। प्रजनन दर को नियंत्रित करके हम गरीबी के खिलाफ लड़ाई मजबूती से लड़ सकेंगे। निरस्संदेह गरीबी का एक बड़ा कारण ज्यादा आबादी ही है। इसी से कुपोषण बढ़ता है और स्त्रियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यदि जनसंख्या वृद्धि पर अंकुश लगता है तो निश्चित रूप से शिशु मृत्यु दर में गिरावट आएगी और प्रजनन के दौरान होने वाली माताओं की मृत्यु दर को भी रोका जा सकेगा। यहां जनसंख्या नीति में उन प्रावधानों का स्वागत किया जाना चाहिए, जिसमें सरकारी कर्मचारियों को परिवार नियोजन अपनाने पर पदोन्नति, विशेष इंक्रीमेंट, मकानों में सब्सिडी, सस्ता होम लोन देने की घोषणा की गई है। दूसरी ओर आम आदमी को परिवार नियोजन अपनाने पर बिजली-पानी के बिलों में रियायत देने, अकेली संतान के बाद परिवार नियोजन करवाने और उसके लड़की होने पर वजीफा, मुफ्त शिक्षा तथा नौकरी में प्राथमिकता देने की बात कही गई है। वहीं एक बच्चे के बाद परिवार नियोजन अपनाने वाली गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवार को नकद राशि देने का प्रावधान भी है। वहीं नीति लागू होने के बाद तीसरी संतान होने पर इसमें दंड का भी प्रावधान किया गया है। सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों की नौकरी पर संकट आ सकता है तो पंचायत व नगर निकायों के जनप्रतिनिधियों का निर्वाचन रद्द भी हो सकता है। सरकारी सुविधाएं भी वापस ली जा सकती हैं। इसके बावजूद जनसंख्या नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम आम लोगों को कितना जागरूक करके उनकी भागीदारी को कैसे बढ़ा सकते हैं।

वर्चस्व तोड़ प्रतिस्पर्धा विकसित करें

गत सप्ताह मंत्रिमंडल में हुए फेरबदल में सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने इस्तीफा दे दिया है। इस इस्तीफे के पीछे दो संभावनाएं हैं। एक संभावना है कि रवि शंकर प्रसाद ने ट्विटर एवं अन्य दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों पर प्रधानमंत्री की इच्छा से इतर अधिक सख्ती की, जिसके फलस्वरूप इन सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा देश एवं प्रधानमंत्री स्वयं की वैश्विक रैंकिंग पर प्रभाव पड़ सकता था, इसलिए प्रधानमंत्री ने उनका इस्तीफा मांग लिया। दूसरी संभावना है कि रवि शंकर प्रसाद ने इन कंपनियों पर पर्याप्त सख्ती नहीं की, जिससे देश के भविष्य पर संकट आ सकता था और हल्का-फुल्का दिखावटी काम करके इनके गलत कार्यों पर रोक नहीं लगाई। इसलिए प्रधानमंत्री ने उनका इस्तीफा मांग लिया। इन दोनों संभावनाओं में सत्य क्या है, यह तो प्रधानमंत्री स्वयं ही जानते हैं। बहरहाल विषय महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार के सामने दो परस्पर विरोधी उद्देश्य हैं। एक उद्देश्य है कि देश एवं प्रधानमंत्री की वैश्विक पैठ बनाए रखने में सोशल मीडिया का सहयोग लेते रहना। दूसरा उद्देश्य है, देश की जनता के प्रति जवाबदेही और देशहित को हासिल करने के लिए सोशल मीडिया पर नियंत्रण करना।आज से 300 वर्ष पूर्व भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी व्यापार करने के लिए आई थी। भारत के राजाओं ने उन्हें व्यापार करने की छूट दी। इनके द्वारा कोई फर्जी या झूठा माल बेचा गया हो, ऐसा संज्ञान में नहीं आता। लेकिन सच्चा माल बेचने के बावजूद इनके प्रवेश के 200 वर्षों के अंदर ही भारत का विश्व आय में हिस्सा 23 फीसदी से घटकर मात्र 2 फीसदी रह गया। आप यह सोचिए कि यदि सच्चे माल के व्यापारी के प्रवेश से ही देश की ऐसी दुर्गति हो सकती है तो सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा फर्जी सूचना परोसने से देश की कितनी हानि हो सकती है! इन सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा क्या ऐसी सूचना परोसी जाती है, जिस पर वर्तमान में देश की जनता अथवा सरकार का कोई भी नियंत्रण नहीं है। ये स्वतंत्र हैं। जैसे पिछले अमेरिकी चुनाव के पहले ट्विटर ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के खाते को ब्लॉक कर दिया था। उनका कहना था कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा गलत सूचनाएं डाली जा रही हैं। इसी क्रम में बीते समय में भाजपा के कुछ नेताओं की पोस्ट को भी ट्विटर ने ब्लॉक कर दिया था। प्रश्न यह है कि इन सूचनाओं के सही और गलत होने का निर्णय कौन लेगा? और किस उद्देश्य से लेगा? यह निर्णय यदि जनता के हित हासिल करने के उद्देश्य से लिए जाएं तो स्वीकार होते हैं जबकि यही निर्णय यदि सोशल मीडिया कंपनी के वाणिज्यिक स्वार्थों को बढ़ाने के लिये लिए जाएं तो देश और जनता की अपार हानि हो सकती है—जैसे ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा व्यापार करने से हुआ था।इस संबंध में रवि शंकर प्रसाद के नेतृत्व में सरकार ने नये नियम लागू किए थे, जिसके अंतर्गत सोशल मीडिया कंपनियों को एक शिकायत अधिकारी, एक प्रशासनिक अधिकारी और एक सरकार से समन्वय करने के अधिकारी की नियुक्ति करनी थी। ये नियम पूर्णतया सही दिशा में हैं लेकिन अपर्याप्त हैं। इन नियमों के लागू होने के बावजूद सोशल मीडिया कंपनियां अपना मनचाहा व्यवहार करती रह सकती हैं। जैसे शिकायत अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी और समन्वय अधिकारी की नियुक्ति के बाद भी ट्विटर भाजपा के नेताओं की पोस्ट को ब्लॉक कर सकता था। समन्वय अधिकारी को ट्विटर को किसी पोस्ट विशेष के सम्बन्ध में आदेश देने का अधिकार इन नियमों में नहीं दिया गया था। केवल विशेष परिस्थितियों में सरकार उन्हें सुधार करने के लिए कह सकती है।लेकिन सरकार द्वारा सोशल मीडिया कंपनियों के नियंत्रण में दूसरा संकट भी पैदा होता है। जैसे चीन ने सोशल मीडिया कंपनियों को आदेश दे रखा है कि कोरोना वायरस के वुहान की प्रयोगशाला में उत्पन्न होने संबंधित कोई भी सूचना वे अपने प्लेटफार्म पर नहीं डालेंगी; अथवा जैसे बेलारूस के तानाशाह लुकाशेन्को को एवं म्यांमार के तानाशाह मिंग हांग लेंग द्वारा सोशल मीडिया कंपनियों को कहा जा सकता है कि उनके आततायी व्यवहार का विरोध करने वाली किसी भी पोस्ट को सोशल मीडिया कंपनी पोस्ट नहीं करेगी। ऐसे में सरकार के सोशल मीडिया पर नियंत्रण से जनता की हानि हो सकती है।अतः सरकार द्वारा सोशल मीडिया कंपनियों पर नियंत्रण के दो पहलू हैं। एक है कि सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा जनहित की अनदेखी करते हुए गलत सूचना परोसी गई हो तो सरकार की दखल जरूरी होती है। दूसरी तरफ सोशल मीडिया कंपनियों द्वारा सरकार के विरोध में जनता को सही सूचना उपलब्ध कराने की स्वतंत्रता को संरक्षित करना भी उतना ही जरूरी है। हमें इन दोनों परस्पर विरोधी उद्देश्यों के बीच में रास्ता ढूंढ़ना है।इस समस्या के समाधान का सर्वश्रेष्ठ उपाय यह है कि सरकार द्वारा स्वतंत्र नागरिकों की समिति बनायी जाये, जिसे सोशल मीडिया के विरुद्ध शिकायत सुनने एवं निर्णय लेने का अधिकार हो। अथवा जैसे किसी कंपनी द्वारा शेयरधारक के प्रति अनुचित व्यवहार करने की शिकायत सेबी से की जा सकती है, उसी प्रकार सोशल मीडिया नियंत्रण बोर्ड बनाना चाहिए जो सोशल मीडिया को आदेश दे लेकिन सरकार के सीधे नियंत्रण से बाहर हो।दूसरा उपाय है कि बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों का सरकार विभाजन कर दे। अपने देश में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग स्थापित है जो कि किसी वाणिज्यिक कंपनी द्वारा बाजार में एकाधिकार का उपयोग कर माल को महंगा बेचने इत्यादि पर रोक लगा सकता है। सरकार को चाहिए कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग को आदेश दे कि किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म की अधिकतम सदस्य संख्या को निर्धारित कर दे। जैसे यदि आज भारत में व्हाट्सएप के 5 करो? ग्राहक हैं तो प्रतिस्पर्धा आयोग निर्धारित कर सकता है कि किसी एक कंपनी द्वारा 40 फीसदी यानी 2 करोड़ से अधिक ग्राहक हासिल नहीं किए जाएंगे। इससे अधिक संख्या में ग्राहक हासिल करने पर उस कंपनी को दो या अधिक टुकड़ों में विभाजित कर दिया जाएगा। इस विभाजन का लाभ होगा कि इन कंपनियों के बीच में प्रतिस्पर्धा बनेगी और देश की स्वदेशी सोशल मीडिया कंपनी को बाजार में प्रवेश करने का अवसर मिल जाएगा। इनकी आपसी प्रतिस्पर्धा से इनके ऊपर स्वयं दबाव बनेगा कि यह जनता को गलत सूचना न परोसें। यदि किसी एक सोशल मीडिया कंपनी ने गलत सूचना परोसी तो दूसरी सोशल मीडिया कंपनी उसे एक्सपोज कर सकती है और ऐसे में सोशल मीडिया स्वयं ही अपने ऊपर नियंत्रण रखेगी। देश के प्रिंट मीडिया में कई खिलाड़ी होने के कारण ऐसा ही दबाव प्रेस पर बना रहता है। सरकार ने जो नियम बनाए हैं, वे सही दिशा में हैं लेकिन इससे बहुत आगे जाने की जरूरत है और बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों को तोड़कर टुकड़ों में बांटने पर सरकार को कानून बनाना चाहिए।

–भरत झुनझुनवाला

खान-पान व सेहत जीने के अधिकार का हिस्सा

कोरोना महामारी के दौरान नागरिकों के हित में एक काम बहुत ही महत्वपूर्ण हुआ है और वह है उनके स्वास्थ्य और भोजन के अधिकार की रक्षा। महामारी के दौरान अपने-अपने गृह नगरों की ओर पलायन करने वाले कामगारों के खान-पान की व्यवस्था और नागरिकों के लिये चिकित्सा सुविधाओं को नजरअंदाज करना अब केन्द्र और राज्य सरकारों के लिये आसान नहीं होगा। इसकी वजह, इन दोनों अधिकारों को जीने के मौलिक अधिकार के समान ही माना जाना है।

महामारी के दौरान कामगारों और उनके परिजनों की दयनीय स्थिति और इससे निपटने में केंद्र के साथ ही राज्य सरकारों के उदासीन रवैये को देखते हुए ही उच्चतम न्यायालय ने 31 जुलाई तक असंगठित कामगारों का राष्ट्रीय आंकड़ा बैंक तैयार करने और सभी विस्थापितों को महामारी के दौरान सूखा राशन मुहैया कराने के आदेश दिये हैं। शीर्ष अदालत ने हाल ही में अपने एक फैसले में कहा है कि अनुच्छेद 21 में प्रदत्त जीवन का अधिकार प्रत्येक व्यक्ति को जीवन की न्यूनतम आवश्यकताओं तक पहुंच के साथ गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार देता है। बेहतर जीवन के लिए खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराना सभी राज्यों और सरकारों का कर्तव्य है।

यह सही है कि संविधान में भोजन के अधिकार के बारे में कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इस तथ्य को इंगित करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा है कि भले ही इस बारे में संविधान में कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं है लेकिन संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत प्रत्येक नागरिक को गरिमा के साथ जीने का अधिकार है और ऐसी स्थिति में भोजन तथा अन्य बुनियादी आवश्यकताओं को इसके दायरे में शामिल होने की व्याख्या की जा सकती है। इसका मतलब साफ है कि अब असंगठित क्षेत्र के कामगारों के मामले में सरकारों का कोई भी 'किंतु-परंतु' काम नहीं करेगा और उन्हें नतीजे देने होंगे।

केन्द्रीय मंत्रिपरिषद में विस्तार के बाद अब देश को अधिवक्ता भूपिन्दर यादव के रूप में एक नया श्रम मंत्री मिल गया है। देखना यह है कि नये केन्द्रीय श्रम मंत्री की देखरेख में इन कामगारों को खाद्यान्न तथा दूसरी कल्याणकारी योजनाओं के लाभ उपलब्ध कराने के लिये आवश्यक असंगठित कामगारों के राष्ट्रीय डाटा बैंक को केंद्र सरकार 31 जुलाई तक अंतिम रूप दे सकेगी या नहीं। जहां तक असंगठित क्षेत्र के सभी कामगारों को खाद्यान्न और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का सवाल है तो यह काम असंभव तो नहीं लेकिन काफी चुनौती भरा है।

लेकिन, इसके लिये आवश्यकता है राजनीतिक इच्छाशक्ति और राज्य सरकारों से भरपूर सहयोग की। केंद्र ने सभी कामगारों को उनके कार्यस्थल या निवास स्थान पर ही सूखा राशन उपलब्ध कराने के लिये 'एक राष्ट्र – एक राशन कार्ड योजना' शुरू की थी लेकिन यह भी पश्चिम बंगाल, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और असम जैसे राज्यों में राजनीति का शिकार हो रही है। इन्हीं तथ्यों के मद्देनजर शीर्ष अदालत ने कहा है कि राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रशासनों को प्रवासी मजदूरों को सूखा राशन उपलब्ध कराने की एक योजना 31 जुलाई तक लानी होगी और ऐसी योजना कोविड की स्थिति बरकरार रहने तक जारी रखनी होगी। मतलब साफ है कि किसी भी स्थिति में कामगारों का पलायन नहीं हो और वे जहां भी कार्यरत हैं वहीं उन्हें खाद्यान्न तथा दूसरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी जायें।

कोरोना महामारी की पहली लहर के दौरान देश और दुनिया के साथ ही न्यायपालिका ने भी इन कामगारों की दयनीय स्थिति देखी थी। इन कामगारों ने दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक और ऐसे ही दूसरे राज्यों में कुछ दिन सरकार की मदद के लिये उसका मुंह देखा और इसके बाद वे बदहवासी की स्थिति में भूखे प्यासे अपने परिवार को लेकर पैदल, साइकिल और दूसरे साधनों से बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे प्रदेशों में अपने गृह नगरों की ओर चल दिये थे।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के 2017-18 के आंकड़ों के अनुसार करीब 38 करोड़ प्रवासी श्रमिक असंगठित क्षेत्र में कार्यरत हैं। न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि इन असंगठित श्रमिकों को खाद्य सुरक्षा मुहैया कराने की जिम्मेदारी सरकार की है और इसी मकसद के लिये संसद ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून, 2013 लागू किया था। जहां तक राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के अंतर्गत सभी लोगों को इसमें शामिल करने का सवाल है तो केंद्र सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून की धारा नौ का इस्तेमाल कर सकती है।

न्यायपालिका की सख्ती का ही नतीजा है कि असंगठित क्षेत्र के कामगारों को अब निःशुल्क खाद्यान्न और दूसरी सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। यही नहीं, लगातार रूप बदल रहे कोरोना वायरस की चपेट में आ रहे नागरिकों के लिये पहले की तुलना में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलना संभव हो रहा है। निकट भविष्य में अगर लोगों के लापरवाही से यह लहर आती है तो केंद्र और राज्य सरकारें इससे निपटने के लिये पूरी तरह सतर्क रहेंगी ताकि कम से कम जन-हानि हो।

–अनूप भटनागर

आपका राशिफल 14 जुलाई

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

फिल्म वर्ग पहेली - 5494

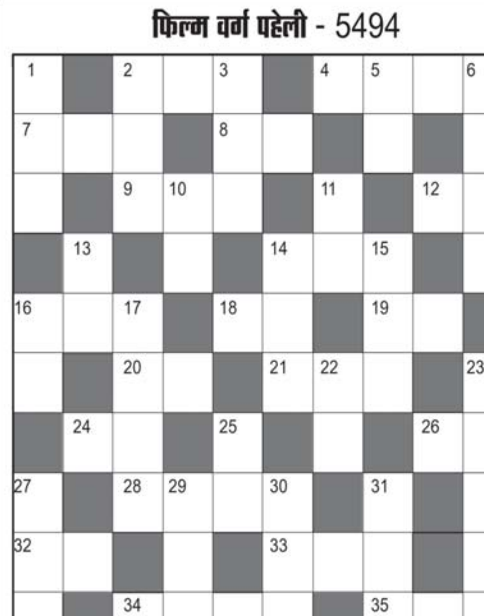

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 5493

रि	फ्यू	जी		बे	मि	सा	ल		क
शि		न	म्र	ता		या		फ	र्ज
ता	क	त		बी	ना		सु	र	
	र्त		श		स्ति			दी	पा
दि	व्य	श	क्ति		क	न्या	दा	न	
ल		रा		ये			ग		ई
से	ह	रा		श	र्मी	ली		घा	त
	थि		स	नी		ला	रा		का
द	या	वा	न		पॉ		जा	लि	म
स	र		म	न	च	ली		सा	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सावधान! 10 से 18 साल के युवा डिप्रेशन की चपेट में

बड़े ही नहीं युवा भी अवसाद की जद में हैं। 10 साल के बच्चे से लेकर 18 साल के युवाओं में तेजी से अवसाद (डिप्रेशन) घर कर रहा है। इसकी बहुत सी वजह हैं। माता-पिता अपनी उम्मीदों को बच्चे पर थोपते हैं। पढ़ाई का पहले से ही दबाव रहता है। यह बातें बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष वर्मा ने यहां दी। केजीएमयू के कलाम सेंटर में यूपी पेडिकॉन की 39 वीं कान्फ्रेंस का आगाज हुआ। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश चन्द्र पांडेय ने बताया कि मोबाइल-कम्प्यूटर और टीवी बच्चों सेहत का सबसे बड़ा दुश्मन बन गया है। छह साल की उम्र तक बच्चे को मोबाइल, कम्प्यूटर टीवी आदि से दूर रखें। इससे नजर कमजोर हो सकती है। छह साल से अधिक उम्र के बच्चे माता-पिता की देख-रेख में आधा एक घंटे मोबाइल देख सकते हैं। वह भी 20-20 मिनट के अंतराल पर। इंदौर के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. जेएस टुटेजा ने किशोरों में बढ़ रहे मानसिक तनाव पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि देश में किशोर स्वास्थ्य क्लीनिक खोलने की जरूरत है। माता-पिता बच्चों से लगातार संवाद रखे।

बस नौ मिनट के दुलार से नहीं बिगड़ेंगे बच्चों से रिश्ते

पीजीआई में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पियाली भट्टाचार्या व कान्फ्रेंस के संयोजक डॉ. आशुतोष वर्मा ने बताया कि काफी संख्या में दम्पत्ति दोनों कामकाजी हैं। उनके पास बच्चों के संग वक्त गुजरने तक का मौका नहीं रहता है। ऐसे में सिर्फ नौ मिनट बच्चों के बीच गुजारें। इससे बच्चे में खुशी बढ़ेगी। माता-पिता के प्रति बच्चे का स्नेह बढ़ेगा।

ये है फार्मूला

-सुबह बच्चे के उठने के बाद माता-पिता उसे गले लगाएं। तीन मिनट दुलार करें।
-स्कूल से जब बच्चा घर लौटे तो उसे तीन मिनट तक प्यार करें। उसकी टाई सही करें। पीठ थपथपाएं। चेहरे और सिर पर स्नेह से हाथ फेरें।
-सोने से ठीक पहले बच्चे से तीन मिनट बातें करें। चिपकाकर लिटाएं।

रोज मैदान में एक घंटे खेले बच्चे

चिकित्सा शिक्षा विभाग में अपर निदेशक व बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एनसी प्रजापति ने कहा कि बच्चे खेल-कूद के बजाए मोबाइल देखना अधिक पसंद कर रहे हैं। मैदान और पार्क गायब हो गए हैं। बीमारियों से बचने के लिए बच्चों को एक घंटे रोजाना मैदान में खिलाएं।

सूडोकु नवताल- 6015

★★★ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -6014 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

विचार प्रवाह

आज मिलावट का जमाना है। खाद्य पदार्थों और औषधियों में ही मिलावट नहीं चल रही है, विचारों और आदर्शों में भी मिलावट का काम जारी है। यहां तक कि हम जो सांस लेते हैं उसमें भी मिलावट है। सांस में ऑक्सीजन कम, कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा है। लोक कहते हैं- आज ईमानदारी के साथ जी नहीं सकते। मैं कहता हूं- ठीक है, अगर ईमानदारी के साथ जी नहीं सकते तो कोई बात नहीं, ईमानदारी के साथ मर तो सकते हैं। ईमानदारी मजबूरी से नहीं, मजबूती से बनें।

मुनिश्री तरुणसागर

शब्द पहेली - 7086

बाएँ से दाएँ

1. आकाश, व्योम-2
2. नाजुक, मुलायम-3
4. हार, पराजय-2
6. संध्या, सांझ, गोधूलि-2
7. जोर, बल-2
9. सोना, धतूरा-3
12. नाप-जोख करना-3
14. सिक्कों की आवाज-3
16. रहस्यज्ञाता-4
17. तालाब, ताल, तलैया-4
18. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
20. गिरवी वस्तु-3
22. सैनिक कार्रवाई-3
24. चिट्ठी, पत्र-2
26. बर्तन-2
27. सुर, क्रम-2
28. वाचन करने वाला-3
29. पितामह-2

ऊपर से नीचे

1. लवण-3
2. भीगा हुआ-2
3. खुमार, नशा-2
5. सर्दी में हाथ सेंकना-3
6. भाजी, सब्जी, तरकारी-2
8. इंकार, मनाही-2
10. मस्जिद, नमाज पढ़ने की जगह-5
11. आम जनता-2
13. लालन-पालन-5
14. इमाम दस्ता -3
15. वचन, प्रतिज्ञा-3
19. रुखसार, कपोल-2
20. पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
21. नाखून-2
22. सखा, दोस्त-2
23. निजात, छुटकारा-3
25. इस पर रोटी सेंकते हैं-2
26. पवित्र-2

शब्द पहेली -7085 का हल

म	हा	का	ल		च	र	क	
त	र		ह		कि		ला	क
वा		ह	जा	म	त			सू
ला	य	क		द		ना	सू	र
		ला	वा		व	जु		
ना	प	ना		आ		क	वा	स
य			म	हा	न	ता		र
क	था		जा		र		सी	ता
	ल	ल	क		म	हा	रा	ज

Jagrutidaur.com, Bangalore

शिक्षकों को ऑफलाइन करना होगा आवेदन, ऑनलाइन जारी होंगे आदेश

भोपाल। मप्र स्कूल शिक्षा विभाग ने सोमवार को स्थानांतरण नीति जारी कर दी है। इस बार शिक्षकों को तबादले के लिए ऑफलाइन आवेदन करना होगा, लेकिन उनके स्थानांतरण आदेश ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। विभाग की पॉलिसी के अनुसार जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में तबादले के लिए ऑफलाइन आवेदन लिए जाएंगे। पात्र होने पर ऑनलाइन आदेश एमपी शिक्षा मित्र एप पर जारी होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सभी स्थानांतरण सामान्य प्रशासन विभाग की नीति के अनुसार ही किए जाएंगे। स्थानांतरण के लिए शिक्षक स्वयं के व्यय पर एवं परस्पर स्थानांतरण के लिए अपने आवेदन कार्यालय प्रमुख से सत्यापित कराकर जिला शिक्षा अधिकारी को 18 जुलाई तक प्रेषित करेंगे। वहीं जिले के अंदर किए जाने वाले स्थानांतरणों पर प्रभारी मंत्री का अनुमोदन जरूरी होगा। अनुमोदन की कार्रवाई 25 जुलाई से 31 जुलाई तक पूर्ण कर स्थानांतरण आदेश पोर्टल के माध्यम से जारी कर दिए जाएंगे। 31 जुलाई को रात्रि 12 बजे स्थानांतरण के लिए पोर्टल लॉक हो जाएगा।

इसके अनुसार जिला स्तर पर निराकृत होने वाले आवेदनों को छोड़कर शेष आवेदनों को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा परीक्षण कर

संवर्ग वार सूचीबद्ध कर लोक शिक्षण आयुक्त को 19 जुलाई तक भेजा जाएगा। यदि स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यरत कोई शिक्षक जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत संचालित स्कूलों में पदस्थापना चाहते हैं, तो सामान्य प्रशासन विभाग के प्रावधानों के तहत प्रतिनियुक्ति पर भेजे जाने के लिए आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए लोक शिक्षण आयुक्त अधिकृत होंगे। बता दें कि 2019 में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा ऑनलाइन स्थानांतरण कराए गए थे। इसमें 70 हजार आवेदन हुए थे। इसमें से 35 हजार शिक्षकों के तबादले किए गए थे। विशिष्ट प्रकार की शालाएं जैसे- सीएम राइज योजना के अंतर्गत संचालित विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय एवं मॉडल स्कूल के पद ब्लॉक किए जाएंगे। इन विद्यालयों में स्थानांतरण के माध्यम से पदस्थापना नहीं की जाएगी। यदि किसी जिले द्वारा इन विद्यालयों में स्थानांतरण द्वारा पदस्थापना की जाती है, तो ऐसे स्थानांतरण आदेश स्वतः शून्य माने जाएंगे।

पोर्टल से जारी होंगे सभी स्थानांतरण आदेश

स्थानांतरण नीति के अनुसार शिक्षक संवर्ग से संबंधित सभी स्थानांतरण आदेश विभाग के एजुकेशन पोर्टल के माध्यम से ही जारी किए जाएंगे एवं संबंधितों को एम-शिक्षा मित्र एप पर उपलब्ध कराए जाएंगे। ऑफलाइन जारी किए जाने वाले आदेश मान्य नहीं होंगे। स्वीकृत भरे एवं रिक्त पदों की वर्तमान स्थिति की जानकारी एजुकेशन पोर्टल पर जिला शिक्षा अधिकारी के लॉगइन पर प्रदर्शित होंगी।

बिजली के बिल जमा मत करना, वसूली वालों को यह दिखा देना : दिग्विजय सिंह

घंटानाद आंदोलन में बिजली बिलों की होली जलाने के बाद बोले पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह

जमा मत करना बढ़े हुए बिजली बिल लाइन काटी तो मैं आऊंगा जोड़ने

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जनता से अपील की है कि बढ़ाई गई बिजली की दरों पर यदि कोई बिल आता है तो उसका भुगतान ना करें। यदि कोई वसूली के लिए आता है तो उसे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का यह बयान दिखा देना।

भाजपा के विधायक ने ग्राम सभा में दी है बिजली चोरी की छूट

उल्लेखनीय है कि बीते रोज मध्यप्रदेश के भिंड में भारतीय जनता पार्टी के विधायक सूबेदार सिंह रजौदा, विधानसभा क्षेत्र सबलगढ़ जिला मुरैना, का एक वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में भाजपा विधायक को स्पष्ट रूप से सुना जा सकता है कि वह लोगों को खुलेआम बिजली चोरी करने की छूट दे रहे हैं। इतना ही नहीं वह यह भी कह रहे हैं कि यदि बिजली कंपनी की तरफ से कोई कार्रवाई होगी तो उससे मैं निपट लूंगा।

मध्यप्रदेश में बिजली की मूल्य वृद्धि का विरोध

मध्यप्रदेश में इन दिनों शिवराज सिंह चौहान सरकार का कई मोर्चों पर विरोध हो रहा है। शासकीय कर्मचारियों के कई संगठन विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पेट्रोल और डीजल पर बेतहाशा टैक्स वसूले जाने के कारण मिडिल क्लास परिवारों के मुखिया नाराज हैं। रसोई गैस महंगी हो जाने के कारण महिलाओं में गुस्सा है। सरकार ने लॉकडाउन लगाकर लोगों का रोजगार बंद कर दिया और अब बिजली की दरों में वृद्धि की गई है।

एमपी विधानसभा के मानसून सत्र की घोषणा

भोपाल। मध्यप्रदेश की विधानसभा के मानसून सत्र की घोषणा कर दी गई है। यह मध्य प्रदेश की 15वीं विधानसभा है और आने वाला सत्र विधानसभा का 9वां सत्र होगा। विधानसभा का मानसून सत्र दिनांक 9 अगस्त 2021 से शुरू होगा और दिनांक 12 अगस्त 2021 को समाप्त कर दिया जाएगा। इस प्रकार मध्यप्रदेश की विधानसभा का मानसून सत्र कुल 4 दिनों का होगा।

मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में कब क्या होगा

दिनांक 9 अगस्त 2021 दिन सोमवार प्रश्नोत्तर एवं शासकीय कार्य
दिनांक 10 अगस्त 2021 दिन मंगलवार प्रश्नोत्तर एवं शासकीय कार्य
दिनांक 11 अगस्त 2021 दिन बुधवार प्रश्नोत्तर एवं शासकीय कार्य
दिनांक 12 अगस्त 2021 दिन गुरुवार प्रश्नोत्तर एवं शासकीय कार्य

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान सरकार के गठन के बाद से लेकर अब तक विधानसभा में कोई भी सत्र लंबी अवधि तक नहीं चल पाया है। जनहित के मुद्दों पर सवाल जवाब एवं बहस अब तक नहीं हो पाई है। मध्य प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के साथ ही पूरे देश में लॉक डाउन लग गया था। तब से लेकर अब तक कोरोनावायरस संक्रमण काल चल रहा है।

विवाह कार्यक्रम में अधिकतम 100 व्यक्ति शामिल हो सकेंगे, बाजार रात 10 बजे तक खुलेंगे

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के 44 जिलों में कोरोना का कोई प्रकरण नहीं है। केवल 8 जिलों में एक-दो प्रकरण शेष हैं। शासन ने कुछ और गतिविधियों में छूट देने का निर्णय लिया है। अब शादी विवाह में अधिकतम 100 व्यक्ति और अंतिम संस्कार में 50 व्यक्ति सम्मिलित हो सकेंगे। सिनेमा घरों का संचालन 50 प्रतिशत क्षमता के साथ किया जा सकेगा। रेस्टोरेंट अब शत-प्रतिशत क्षमता से संचालित किये जा सकेंगे और बाजार रात 10 बजे तक खुले रहेंगे।

एम्स में तीन दिन बाद पहुंचे फंगस के मरीजों के इंजेक्शन, लेकिन किल्लत बरकरार

भोपाल। राजधानी में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में म्यूकरमाइकोसिस की वजह से कई मरीजों की हालत बिगड़ने के बाद भी उन्हें इसके इलाज के लिए जरूरी इंजेक्शन लाइसोसोमल एंफोटेरेसिन बी नहीं मिल पा रहा है। तीन दिन तक किल्लत के बाद सोमवार को कुछ इंजेक्शन आए, लेकिन यह इंजेक्शन सभी मरीजों को लगा दिए गए। कुछ मरीजों को तीन तो कुछ को चार इंजेक्शन लगाए गए। इससे इंजेक्शनों की किल्लत बरकरार है। मंगलवार, बुधवार को फिर यहां मरीजों को इंजेक्शन उपलब्ध होने के आसार नहीं है। एम्स प्रबंधन की तरफ से पर्याप्त इंजेक्शन नहीं मिल पाने की वजह से मरीजों को कई बार अपने खर्चे से इंजेक्शन

खरीदना पड़ता है। एक इंजेक्शन 6500 रुपए में आता है। एम्स के डॉक्टरों ने बताया कि कई मरीज दोबारा म्यूकरमाइकोसिस का बढ़ा हुआ संक्रमण लेकर आ रहे हैं। पहली बार इलाज में ही इन मरीजों का काफी पैसा खर्च हो चुका है। इनकी हैसियत नहीं है कि वह दोबारा इंजेक्शन का खर्च उठा सकें। उधर एम्स प्रबंधन की तरफ से पर्याप्त इंजेक्शन की व्यवस्था नहीं किए जाने की वजह से मरीजों की हालत बिगड़ रही है। कई मरीजों के जबड़े निकालने पड़े हैं तो कुछ की आंख भी निकाल दी गई है। एक मरीज के फेफड़े की सर्जरी भी की गई है। राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान होने के बाद भी एम्स में मरीजों को इस तरह की दिक्कतें हो रही हैं। गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल से संबद्ध हमीदिया अस्पताल में भी पर्याप्त इंजेक्शन मरीजों को मिल जा रहे हैं। कुछ मरीजों ने बताया कि उन्हें एम्स में भर्ती नहीं किया गया तो वह हमीदिया या फिर निजी अस्पतालों में जाकर भर्ती हुए हैं। एम्स में मरीजों को इंजेक्शन दिलाने के लिए कोविड हेल्पलाइन के नाम से बना ग्रुप भी मदद कर रहा है। मरीजों को इंजेक्शन भी दान किए हैं।

झमाझम बारिश के फिलहाल आसार नहीं, तापमान बढ़ने से सताएगी उमस

भोपाल। राजधानी में दक्षिण-पश्चिम मानसून ने भले ही तय समय (20 जून) से सात दिन पहले 13 जून को आमद दर्ज करा दी थी, लेकिन अभी तक लगातार बौछारें देखने के लिए लोग तरस गए हैं। बारिश रुक-रुक कर होने के कारण जमीन में पर्याप्त नमी नहीं पहुचं सकी है। इस वजह से वर्तमान में वातावरण में असहनीय उमस हो रही है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अलग-अलग स्थानों पर पांच वेदर सिस्टम सक्रिय तों हैं, लेकिन उनके असर से राजधानी में लगातार वर्षा होने के आसार नहीं हैं। हां, रुक-रुककर हल?की बौछारें जरूर पड़ सकती हैं। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार को भोपाल का अधिकतम तापमान 33.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। साथ ही रविवार के अधिकतम तापमान 32.9 डिग्री सेल्सियस से 0.4 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। यह सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। यह भी रविवार के न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस से 1.8 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। रविवार रात को लगभग 12ः30 बजे शहर के कुछ स्थानों पर लगभग 15 मिनट तक तेज बौछारें पड़ीं थीं। इससे वातावरण में कुछ ठंडक घुल गई थी। सोमवार को सुबह कुछ बादल बने रहे। दोपहर बाद बादल छंटने से धूप निकली। इससे दिनभर उमस लोगों को बेचैन करती रही। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में बंगाल की खाड़ी में उत्तरी आंध्र और दक्षिणी ओडिशा पर एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। अरब सागर और उससे लगे दक्षिणी गुजरात पर भी एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। मानसून ट्रफ भी राजस्थान से बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र तक बना हुआ है। राजस्थान के मध्य में हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात मौजूद है। इसके अतिरिक्त पूर्वी-पश्चिमी ट्रफ विदर्भ से होकर गुजर रहा है। इस तरह विभिन्न स्थानों पर पांच वेदर सिस्टम सक्रिय हैं, लेकिन इनसे अपेक्षित नमी नहीं मिल पाने के कारण भोपाल में बारिश नहीं हो रही है। शुक्ला के मुताबिक मौजूदा स्थिति को देखते हुए अभी एक सप्ताह तक राजधानी में अच्छी बारिश होने की संभावना नहीं दिख रही है। हालांकि इस दौरान तापमान अधिक बढ़ने की स्थिति में गरज-चमक के साथ कभी-कभार तेज बौछारें पड़ सकती हैं।

गांधीनगर में बनेगी नई सब्जी मंडी, बस स्टैंड पर लगेगी छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा

भोपाल। शहर के गांधीनगर इलाके में नए बस स्टैंड का काम लगभग पूरा हो गया है। इसका नाम छत्रपति शिवाजी महाराज बस स्टैंड होगा। बस स्टैंड परिसर में छत्रपति शिवाजी प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। विधायक रामेश्वर शर्मा ने गांधी नगर में सब्जी मंडी का भूमिपूजन करते हुए बस स्टैंड एवं मंडी के नामकरण की घोषणा की। प्रस्तावित सब्जी मंडी का नाम संत रविदास सब्जी मंडी होगा। शिवाजी वार्ड स्थित पारवानी मैदान पर इसका निर्माण कराया जाएगा। भूमिपूजन समारोह में भाजपा के मंडल अध्यक्ष योगेश वासवानी, राजू मीण, तुलसीराम बड़गोतिया, सेवकराम लालवानी, मनोज घूसर, एवं विकास चौकसे सहित अनेक लोग उपस्थित थे। मंडी के निर्माण पर एक करोड़ 90 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। नगर निगम ने करीब पांच साल पहले सब्जी मंडी के निर्माण की घोषणा की थी। तत्कालीन महापौर आलोक शर्मा ने स्थल निरीक्षण भी किया लेकिन काम प्रारंभ नहीं हो सका। अब मंडी के निर्माण की उम्मीद बंधी है।

सड़कों पर ही खड़े नजर आते हैं ठेले

गांधीनगर में वर्तमान में फल, सब्जी एवं कटलरी आदि के ठेले सड़कों पर ही नजर आते हैं। मेन रोड से प्रवेश करते ही सड़कों पर ठेले दिख जाते हैं। जगह-जगह ठेलों के कारण रहवासियों को परेशान होना पड़ रहा है। पहले बस स्टैंड पर ही अघोषित रूप से मंडी लगती थी। नए बस स्टैंड का निर्माण होने से ठेलों को हटा दिया गया। पूर्व पार्षद राजकुमारी मीणा का कहना है कि मंडी का निर्माण होने से ठेलों की जमावट यहां पर की जाएगी। इससे यातायात बाधित होने की समस्या भी खत्म हो जाएगी।

मध्यप्रदेश में भी उठी जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग

भोपाल। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने सीएम शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर मध्य प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की मांग उठाई है। विधायक शर्मा ने पत्र में कहा कि जनसंख्या नियंत्रण कानून के देश की आवश्यकता है। बच्चे पैदा कर सड़क पर छोड़ने के लिए नहीं है। पांच बीवी 25 बच्चे पैदा करों और छोड़ दो, उनकी व्यवस्था कौन करेगा। मजहब का चश्मा नीचे उतार कर सोचना चाहिए।

शुरू हुई ऑनलाइन पढ़ाई पर बच्चों को नहीं मिली किताबें

भोपाल । मप्र के सरकारी स्कूलों में 15 जून से नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो गया है। पहली से आठवीं के लिए डिजिलेप के माध्यम से शिक्षण सामग्री भेजी जा रही है। नौवीं से बारहवीं कक्षा की ऑनलाइन कक्षाएं दूरदर्शन और वाट्सएप के माध्यम शुरू की गई है, लेकिन किताबें नहीं होने के कारण अधिकतर विद्यार्थियों को समझ में कुछ भी नहीं आ रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से हर साल पहली से बारहवीं के बच्चों को हर साल निश्शुल्क किताबें दी जाती हैं, लेकिन स्कूलों में अब तक पाठ्यपुस्तकें नहीं पहुंची हैं। मप्र पाठ्यपुस्तक निगम हर साल पहली से बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए करीब सात करोड़ किताबें तैयार करता है। मप्र पाठ्यपुस्तक निगम के एमडी विनय निगम का कहना है कि लॉकडाउन के कारण विद्यार्थियों तक किताबें नहीं पहुंची। 80 फीसद किताबें तैयार कर डिपो तक पहुंचा दी गई है। अब वहां से ब्लॉक स्तर पर किताबें जल्द भेजी जाएगी। शेष 20 फीसद किताबें इस माह के अंत तक तैयार कर ली जाएंगी।

पाठ्यपुस्तक निगम का कहना है कि लगभग पांच करोड़ किताबें डिपो तक पहुंचाने के बाद 3.40 करोड़ किताबें ब्लॉक कार्यालयों को सौंप दी हैं। इसके बावजूद अब तक किताबों को स्कूलों तक नहीं पहुंचाया गया। इस बारे में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआइ) ने पिछले माह निर्देश जारी किए थे कि कक्षा नौवीं के सभी विद्यार्थियों को दसवीं में प्रवेश दिया जाए। साथ ही विद्यार्थी अपने साथ पुरानी किताबें लेकर आएं और स्कूल में जमा कराएं। पाठ्य पुस्तकें प्राप्त होने तक पुरानी पुस्तकें विद्यार्थियों को उनकी कक्षा के अनुसार वितरित की जाएंगी।

समझ नहीं आ रहा है

12वीं के छात्र अनिकेत सिंह ने बताया कि ऑनलाइन कक्षाएं शुरू कर दी गई हैं, लेकिन बिना किताब के कुछ भी समझ नहीं आ रहा है। वहीं छात्रा योगिता तिवारी का कहना है कि कई बार गणित विषय का होमवर्क ऑनलाइन दिया जाता है, लेकिन किताब नहीं होने के कारण होमवर्क नहीं कर पाती हूं। छात्र शाश?वत साहू का कहना है कि बिना पाठ्यपुस्तक के दूरदर्शन की पढ़ाई भी समझ नहीं आती है।

मोबाइल प्लान की वैधता बढ़ाने का झांसा देकर सेवानिवृत्त बुजुर्ग से 25 हजार की धोखाधड़ी

भोपाल। अरेरा कॉलोनी में रहने वाले एक बुजुर्ग के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोपित ने उन्हें मोबाइल प्लान की वैधता समाप्त होने की बात कही और इसे बढ़ाने का झांसा देकर उनसे ओटीपी पूछकर करीब 25 हजार रुपये उनके खाते से निकाल लिए। बुजुर्ग को जब इस धोखाधड़ी का पता चला तो उन्होंने हबीबगंज थाने पहुंचकर एफआइआर दर्ज की। आरोपित का कोई सुराग नहीं लग पाया है। फरियादी सेवानिवृत्त शासकीय कर्मी है। पुलिस उस नंबर के आधार पर आरोपित की तलाश में जुटी है, जिससे बुजुर्ग के पास फोन आया था। हबीबगंज थाने के एसआइ अभिमन्यु सिंह ने बताया कि 85 वर्षीय बीजी धारपुरे शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हैं। रविवार दोपहर करीब 12 बजे उनके मोबाइल पर एक अनजान व्यक्ति का कॉल आया। फोन रिसीव करने के बाद जालसाज ने बताया कि उनके मोबाइल नंबर की वैधता खत्म होने वाली है। आपको महज दस रुपये का रिचार्ज करना होगा। बुजुर्ग को बातों में उलझाकर उसने कहा कि मोबाइल रिचार्ज वह खुद कर देगा, लेकिन एटीएम कार्ड का नंबर बताना होगा। धौलपुरे ने उसे एटीएम कार्ड नंबर बता दिया। कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर ओटीपी आया। जालसाज के पूछने पर उन्होंने ओटीपी भी साझा कर दिया। ओटीपी साझा करने के बाद उनके खाते से 25 हजार रुपये निकल गए। बैंक खाते से रकम निकलने का संदेश आने के बाद वह हक्के-बक्के रह गए और उन्होंने घटना की जानकारी एएसपी अंकित जायसवाल को दी। हबीबगंज पुलिस ने सोमवार देर रात धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया।

भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग के जवाब में कांग्रेस का फेरबदल?

हर वर्ग को मौका देने के लिए कांग्रेस में कई नामों पर चर्चा का दौर

भोपाल। अब तक जातिगत समीकरणों के प्रभाव से दूर रही मध्य प्रदेश की सियासत भी सोशल इंजीरियरिंग के दौर में प्रवेश कर चुकी है। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में आदिवासी सहित कुछ वर्गों के मुंह मोड़ने के चलते सत्ता से बाहर हुई भाजपा ने सबक लेते हुए 2023 के विधानसभा और 2024 के लोस चुनाव के लिए अभी से जातिगत समीकरणों पर गंभीरता से काम करना शुरू कर दिया है। राज्यपाल के मनोनयन से लेकर सत्ता व संगठन में हर वर्ग को साधने की कोशिश की गई है, वहीं कोई कसर न छोड़ने की तर्ज पर संगठन में बड़े बदलाव की आहट कांग्रेस से भी आ रही है।

भाजपा की जमावट

वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में आदिवासी वोट बैंक ने भाजपा से मुंह मोड़ लिया था। इसका नतीजा रहा कि इस वर्ग के प्रभाव वाली 47 सीटों में से जहां भाजपा के पास 32 (एक भाजपा समर्थित निर्दलीय) सीटें थीं, वहीं 2018 में ये घटकर 22 रह गईं थी। साथ ही अनुसूचित जाति की सीटें भी घट गईं थीं। इससे सत्ता तक पहुंचाने वाला सीटों का गणित बिगड़ गया था। ऐसे में भाजपा अब सतर्क है। आदिवासी वोट बैंक के लिए नए चेहरे गुजरात से मंगुभाई पटेल को राज्यपाल बनाया गया है। पार्टी में दलित वर्ग का प्रमुख चेहरा रहे थावरचंद गहलोत की मोदी कैबिनेट से विदाई हुई तो उन्हें कर्नाटक का राज्यपाल बना दिया गया।

उनकी जगह दलित वर्ग से डॉ. वीरेंद्र कुमार को मोदी कैबिनेट में जगह दी गई। ओबीसी से खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आते ही हैं, वहीं ब्राह्मण वर्ग से वीडी शर्मा प्रदेश अध्यक्ष हैं, जबकि सवर्ण में राजपूत वर्ग से नरेंद्र सिंह तोमर केंद्रीय मंत्री हैं।

भाजपा द्वारा सत्ता से संगठन तक जातीय संतुलन पर नजर रख रही कांग्रेस भी इसी आधार पर संगठन में मोर्चेबंदी की तैयारी कर रही है। जवाब में कांग्रेस अपने संगठन और विधायक दल में नई जमावट करने जा रही है। सूत्रों का कहना है कि कमल नाथ नेता प्रतिपक्ष का पद छोड़ेंगे, जिस पर अनुसूचित जाति वर्ग से किसी को मौका मिल सकता है। इस पद के लिए सज्जन सिंह वर्मा, डॉ. विजय लक्ष्मी साधौ और एनपी प्रजापति की दावेदारी मानी जा रही है। आदिवासी वर्ग को साधने के लिए विक्रांत भूरिया को प्रदेश युवक कांग्रेस की कमान पहले ही सौंपी जा चुकी है। इसी वर्ग से आने वाले बाला बच्चन को भी संगठन में प्रमुख पद सौंपने पर विचार चल रहा है।

ओबीसी वर्ग को साधने के लिए जीतू पटवारी और अरुण यादव को राष्ट्रीय संगठन में जिम्मेदारी दी जा सकती है। दोनों नेता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के दावेदार माने जाते रहे हैं, जबकि कमल नाथ इस पर बने रहने के इच्छुक हैं, इसलिए इन्हें राष्ट्रीय संगठन में मौका दिया जा सकता है, वहीं रामनिवास रावत को प्रदेश में ही जिम्मेदारी दी जा सकती है। अल्पसंख्यक वर्ग को साधने के लिए नाथ ने नूरी खान का नाम प्रदेश महिला कांग्रेस के अध्यक्ष के लिए पहले ही बढ़ा दिया है। हालांकि ये पद ओबीसी के खाते में देने के लिए दिग्विजय सिंह भी विभा पटेल का नाम बढ़ा चुके हैं। सामान्य वर्ग से खुद कमल नाथ आते हैं, वहीं पूर्व मंत्री पीसी शर्मा को उन्होंने विस की लोकलेखा समिति का अध्यक्ष बनवा दिया है।

अनुविभागीय अधिकारी जयसिंहनगर को ब्यौहारी विधानसभा के ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

वंशिका ग्रुप के कर्मचारियों ने ग्रामीण जनों को धमकाया

शहडोल प्राप्त जानकारी के अनुसार शहडोल जिले की रेत उत्तरप्रदेश एवं बिहार राज्य में वंशिका ग्रुप द्वारा बेचा जा रहा है। बताया जाता है कि मसीरा घाट रेत खदान में कुछ ग्रामीणो के द्वारा रात में रेत उत्खनन का विरोध किया गया तब काफी संघर्ष की स्थिति निर्मित हुयी, वहाँ पर उपस्थित वंशिका ग्रुप के गुण्डे जो भिण्ड व मुरैना जिले के रहने वाले है पिस्टल एवं कट्टा लहराते हुये विरोध कर रहे ग्रामीण जनो को धमकाया गया, के परिणामस्वरूप थाना प्रभारी जयसिंहनगर को सूचना दी गई मौके पर लगभग 11 बजे रात्रि में पुलिस बल वहाँ पहुँच कर सोन नदी से पोकलेन मशीन एवं डम्फरों को हटवाया गया।शहडोल जिले में ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत जारी रेत के अवैध उत्खनन को रोके जाने एवं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियो एवं किसानो को रियायती दर पर सुगमता से रेत उपलब्ध कराये जाने के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया।जिला अन्तर्गत ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र में वंशिका ग्रुप को कई रेत खदाने आवंटित की गई है। रेत उत्खनन के संबंध में जारी गाइडलाइन अनुसार प्रत्येक वर्ष 30 जून से 01 अक्टूबर तक नदियो से रेत के उत्खनन में पूर्णतया प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद भी वंशिका ग्रुप के कर्ता-धर्ताओ के द्वारा रात्रि में भारी मशीनो से डम्फर के द्वारा सीधे नदी से रेत का उत्खनन कार्य निरंतर किया जाकर उत्तरप्रदेश एवं बिहार राज्य में भेजा जा रहा है, जिन पर किसी प्रकार का कोई वैधानिक कार्यवाही नही की जाती है। मसीरा घाट रेत खदान में कुछ ग्रामीणो के द्वारा रात में रेत उत्खनन का विरोध किया गया तब काफी संघर्ष की स्थिति निर्मित हुयी, वहाँ पर उपस्थित वंशिका ग्रुप के गुण्डे जो भिण्ड व मुरैना जिले के रहने वाले है पिस्टल एवं कट्टा लहराते हुये विरोध कर रहे ग्रामीण जनो को धमकाया गया, के परिणामस्वरूप थाना प्रभारी जयसिंहनगर को सूचना दी गई मौके पर लगभग 11 बजे रात्रि में पुलिस बल वहाँ पहुँच कर सोन नदी से पोकलेन मशीन एवं डम्फरों को हटवाया गया। तब जाकर स्थिति सामान्य हुई।उक्त घटना के दूसरे दिन विरोधकर्ताओ को पता चला कि वंशिका ग्रुप के प्रभाव में आकर उल्टा विरोधकर्ताओ के विरूद्ध ही एफ0आई0आर0 दर्ज की गई है।

बताया जाता है कि अनुविभागीय अधिकारी जयसिंहनगर को निम्न बिंदुओ पर ज्ञापन सौंपा गया ज्ञापन में कहा गया कि ग्रामीण जन एवं ग्राम पंचायतो में हो रहे निर्माण कार्य के लिये एवं प्रधानमंत्री आवास योजना तथा कृषि कार्य में उपयोग के लिये यदि कोई व्यक्ति अपने निजी ट्रैक्टर से रेत का परिवहन करता है तो उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही प्रशासन द्वारा किया जाता है। प्रशासन के उक्त दोहरी रवैया से ग्रामीण जनो में काफी आक्रोश है। जिसके फलस्वरूप 02.07.2021 को मसीरा घाट रेत खदान में कुछ ग्रामीणो के द्वारा रात में रेत उत्खनन का विरोध किया गया तब काफी संघर्ष की स्थिति निर्मित हुयी, वहाँ पर उपस्थित वंशिका ग्रुप के गुण्डे जो भिण्ड व मुरैना जिले के रहने वाले है पिस्टल एवं कट्टा लहराते हुये विरोध कर रहे ग्रामीण जनो को धमकाया गया, के परिणामस्वरूप थाना प्रभारी जयसिंहनगर को सूचना दी गई मौके पर लगभग 11 बजे रात्रि में पुलिस बल वहाँ पहुँच कर सोन नदी से पोकलेन मशीन एवं डम्फरों को हटवाया गया। तब जाकर स्थिति सामान्य हुई।उक्त घटना के दूसरे दिन विरोधकर्ताओ को पता चला कि वंशिका ग्रुप के प्रभाव में आकर उल्टा विरोधकर्ताओ के विरूद्ध ही एफ0आई0आर0 दर्ज की गई है।-जबकि वंशिका ग्रुप द्वारा संचालित मशीनो व डम्फरो व वहाँ पर उपस्थित गुण्डो केविरूद्ध किसी प्रकार की कोई वैधानिक कार्यवाही नही किया गया।यह कि म0प्र0 राजपत्र दिनांक 30.08.2019 के बिन्दु क0-2 में उल्लिखित-अनुसूचितजाति, जनजाति के मजदूर, सदस्यो, कारीगरो, ग्रामीण कृषको द्वारा स्वयं के निवास के निर्माण मरम्मत, कुँओ के निर्माण व कृषि कार्यो हेतु ग्राम सभा द्वारा अपने अधिकारिकता के भीतर इस प्रयोजन के लिये सीमांकित एवं चयनित किये गये क्षेत्र से 1 वर्ष में अधिकतम 10 घनमीटर रेत का उपयोग नि:शुल्क कर सकते है, का पालन हो।

अनुवांशिक कुम्हारो, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या ऐसे समूह की सहकारी समिति के सदस्य जो परम्परागत साधनो से बर्तन, टाइल्स तथा ईंट बनाने में लगे हुये है रायल्टी/प्रशासकीय प्रभार का भुगतान किये बिना ग्रामसभा द्वारा अपने अधिकारिकता के भीतर इस प्रयोजन के लिये सीमांकित एवं चयनित किये गये क्षेत्रो से नि:शुल्क रेत प्राप्त कर सकेंगे, का पालन हो।-पंचायत/नगरीय निकाय द्वारा शुरू की गई शासकीय योजना या अन्य लाभप्रद कार्यो (स्वच्छ भारत अभियाना/प्रधानमंत्री आवास योजना) आदि लिये निकटतम स्वीकृत रेत खदान से रायल्टी का भुगतान करने के उपरान्त ही रेत प्राप्त की जा सकेगी। पंचायत/नगरीय निकाय द्वारा जमा की गई रायल्टी की संपूर्ण रकम लोडिंग एवं परिवहन को छोड़कर शेष राशि वापस कर दी जायेगी, का पालनहो।-यह कि ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत वंशिका ग्रुप द्वारा संचालित विभिन्न रेत खदानो से मुख्य मार्ग तक सभी ग्रामीण सड़कें ओव्हर लोडिंग के कारण गड्ढो मेंतब्दील हो गयी है, जिससे ग्रामीणो के आवागमन में काफी कठिनाई हो रही है,जिनका सर्वे कराकर तुरंत मार्ग का निर्माण कराया जाय तथा भविष्य मेंओव्हरलोडिंग वाहनो का प्रवेश निषेधित किया जाय।- यह कि ग्रामीण क्षेत्रो के निवासरत किसानो को रियायत दर पर रेत की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाय यदि उनके द्वारा स्वयं के वाहन से निजी उपयोग के लिये रेत लाया जाता है तो उस पर प्रशासकीय कढ़ाई न बरती जाय, जिससे ग्रामीण क्षेत्रो में आसमान छूते रेत के दाम कम हो सके, और सहजता से किसानोका निजी निर्माण कार्य हो सके। ज्ञापन में कहा गया कि वंशिका ग्रुप के द्वारा ओव्हरलोड वाहन जो रीवा-सतना एवं यू0पी0के लिये जाते है जिससे आये दिन मुख्य राजमार्ग में गंभीर दुर्घटना होने कीसंभावना बनी रहती है तथा राजमार्ग की स्थिति जर्जर होती चली जा रही है इसलिये ओव्हर लोडिंग पूर्णत: प्रतिबंधित किया जाय।8-यह कि कुछ लोगो के द्वारा जगह जगह रेत का भण्डारण किया गया है उनके आड़ में नदियो से रेत उत्खनन करते है तथा भण्डारण का परिवहन दिखाकर अवैध रेत का उत्खनन तेजी से कर रहे है उन्हें तत्काल रोके जाने की आवश्यकता है।वर्षा काल में नदियो से रेत उत्खनन में प्रतिबंध के बावजूद वंशिका ग्रुप के कर्मचारियो द्वारा जेसीबी/पोकलेन मशीन से अवैध उत्खनन किये जाने तथाहाइवा एवं ट्रको से परिवहन करने के विरोध में ग्रामीण जनो व जनप्रतिनिधियो द्वारा पुलिस की उपस्थिति में अवैध उत्खनन का विरोध किया गया, लेकिन उत्खनन रोकने के बजाय अवैध उत्खननकर्ताओं से मिलीभगत कर पुलिस थाना जयसिंहनगर द्वारा आम जन को डराने तथा परेशान करने के नियत से कुछ महत्वपूर्ण व्यक्तियोके विरूद्ध अपराध कमॉक-276 दिनांक 03.07.2021 को एफ0आई0आर0 दर्ज कर लिया गया लेकिन अवैध उत्खननकर्तागणो के मशीनरी तथा वाहनो को जप्त किया गया और न ही अवैध उत्खनन रोका गया जबकि ग्रामीणो एवं आम जन के उपर रिपोर्ट पंजीबद्ध किया गया। जबकि किसी तरह से अभद्रता या मारपीट अथवा धमकी विरोधकर्ताओ द्वारा नहीं दी गई मात्र पुलिस कर्मचारियो की उपस्थिति में शांतिपूर्वक अवैध उत्खनन रोके जाने की बात की जा रही थी। इसलिये झूठा एफ0आई0आर0 को रद्द किया जाय।10-यह कि ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्रान्तर्गत वंशिका ग्रुप के द्वारा संचालित अवैध रेत उत्खनन को सख्ती से रोका जाय अन्यथा तीन (3) दिवस बाद जनआंदोलन करने के लिये ग्रामीण जन विवश होंगे।अत: अनुरोध है कि ज्ञापन में उल्लिखित सभी बिन्दुओ पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुये अवैध उत्खनन में सख्ती से रोक लगायी जाय तथा ओव्हरलोड वाहनो से क्षतिग्रस्त ग्रामीण मार्गो तथा राज्य मार्गों को दुरूस्त कराते हुये स्थानीय निवासरत ग्रामीणो को राजपत्र में वर्णित नियमो के आलोक में रेत की उपलब्धता सुगमता से कराये जाने की कृपा हो।

आधुनिक धान रोपाई मशीन का किया गया प्रदर्शन

पाटन। पाटन के ग्राम करारी के कृषक भीम सिंह के खेत मे पिद्दी ट्रांसप्लांट राइस ऑन टाइप मशीन का प्रदर्शन किया गया उन्नत खेती के लिए यह मशीन किसान भाइयों के लिए वरदान से कम नही है अनुविभागीय अधिकारी कृषि डॉ इंद्रा त्रिपाठी और कृषि यंत्री एस के चौरसिया ने बताया कि मशीन से किसान एक दिन में सात से आठ एकड भूमि में धान की रोपाई निर्धारित दूरी और गहराई पर की जा सकती है जिससे प्रति एकड़ व्यय 15 सौ रुपये आता है यह मशीन किसानों की लागत भी कम करती है बही उत्पादन में भी 20त्न तक कि वृद्धि होती है कृषि इंजीनियर आर के राणा ने बताया कि पाटन क्षेत्र में अभी 28 मशीने काम कर रही है और इन मशीनों पर शासन द्वारा पांच लाख तक अनुदान दिया जा रहा है मशीन के प्रदर्शन के अवलोकन हेतु संयुक्त संचालक एस के नेताम उप संचालक कृषि एस के निगम बी के मौर्य अनिल सिंह एस के यादव उपस्थित रहे।

नगर विकास मंच ने किया पौधारोपण

कोतमा। विकास मंच कोतमा ने अपने निर्धारित लक्ष्य 5000 पौधों के वृक्षारोपण के आगाज पर नगर के शिक्षण संस्थान ग्रीन लैंड पब्लिक स्कूल में करीब 50 फलदार छायादार पौधों का रोपण नगर के संभ्रांत नागरिक, व्यापारी, समाजसेवी, लायनेस महिला मंडल, नगर पालिका सफाई कर्मी एवं नगर विकास मंच के समस्त सदस्यों द्वारा सामूहिक वृक्षारोपण का कार्य किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी उपस्थितजनों एवं सहयोगी नागरिकों का बहुत बहुत आभार एवं धन्यवाद.प्रस्तुत किया नगर विकास मंच के संयोजक राजेश खटोड अध्यक्ष अख्तर हुसैन बोहरा प्रदीप उपाध्याय विकास वरसैंया के पांडे राम ताम्रकार अनिल ताम्रकार हरि पांडे.की उपस्थिति में वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अधिक से अधिक श्रमिकों को जोड़ने का प्रयास

भारतीय मजदूर संघ की बैठक का आयोजन

अनूपपुर। बैठक में सर्वप्रथम संघ की रीती-नीती के अनुसार प्रमुख पदाधिकारियों ने भारतमाता,भगवान विश्वकर्मा जी,भारतीय मजदूर संघ के संस्थापक ठेंगडी जी,के चित्र पर माल्यार्पण कर बैठक का शुभांरभ किया।बैठक की अध्यक्षता अरुण सिंह ने की,बैठक में भारतीय मजदूर संघ मध्यप्रदेश के उपाध्यक्ष एवं बिजली क्षेत्र व शहडोल संभाग प्रभारी प्रोम्पी सिंह ने संघ पदाधिकारियों को संघ को मजबूत करने की बात कही,बैठक में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश कार्यसमिती सदस्य एवं भारतीय ठेका मजदूर संघ के संभागीय महामंत्री ताराचंद यादव ने संघ की रीति-नीती एवं स्थापना पर प्रकाश डालते हुये कहा कि भारतीय मजदूर संघ एक राष्ट्रवादी श्रमिक संघठन हैं जो सदैव राष्ट्रहित,उधोगहित,श्रमिक हित के लिये प्रतिबद्ध हैं, विभाग प्रमुख शहडोल नागेन्द्र सिंह ने कहा कि संघ का ये प्रयास हैं कि अधिक से अधिक श्रमिक संघ से जुडे,जिले में संघ का कार्यालय खोले जाने की भी बात आपने कही,भारतीय ठेका मजदूर संघ के संभागीय अध्यक्ष ने जिला अनूपपुर की कार्यकारिणी घोषित की जिसमें राजकिशोर मिश्रा को अध्यक्ष, संदीप जलतारे को सचिव,सूर्यकांत गुप्ता को सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचन किया गया।बैठक में मध्यप्रदेश बिजली कर्मचारी महासंघ के प्रदेश संघठन मंत्री सतेन्द्र पाटकर,कोषाध्यक्ष पुष्पेन्द्र पाल,जिला सहमंत्री सुमित बक्सरिया,संजय शर्मा,आशा सहयोगिनी संघ की अध्यक्ष श्रीमती संपत्तियां राठौड, कोयला खदान मजदूर संघ के पदाधिकारी-सदस्य,भारतीय सफाई मजदूर संघ के पदाधिकारी सदस्य,सहित भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध सभी यूनियनों के पदाधिकारी-सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिलामंत्री दारासिंह ने किया।आभार अरुण सिंह ने माना।

जैन समाज द्वारा शोभायात्रा के साथ भगवान की प्रतिमा स्थापित

बिजुरी। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर बिजुरी में नवीन बेदी पर भगवान बाहुबली के स्थापना हेतु नगर के जैन धर्मावलंबियों द्वारा श्री श्री 1008 याग मंडल विधान का आयोजन किया गया। जिसमें बिजुरी नगर में भगवान बाहुबली का धूम-धाम से गाजे-बाजे एवं जयकारों के साथ भव्य अगवानी कि गयी। तदपश्चात भगवान की प्रतिमा मंदिर तक लायी गयी। इस शोभायात्रा में जहां जैन धर्मावलम्बियों सहित नगर वासियों में अपार उत्साह रहा। वहीं कोतमा क्षेत्र के विधायक सुनील सराफ भी इस शोभायात्रा में शामिल हुऐ। उक्त कार्यक्रम में विधानकर्ता प्रतिष्ठा आचार्य पंडित विजय वात्सल्य एवं पंडित राजेंद्र भैया जी के मंगल सानिध्य में आयोजित किया गया।

इधर बैठक तो उधर हो रही थी नारेबाजी

अनूपपुर । अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री सुश्री मीना सिंह का सोमवार को जिला मुख्यालय में प्रथम आगमन हुआ प्रभारी मंत्री सबसे पहले सर्किट हाउस पहुंची जहां भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात करते हुए वार्तालाप करी इसके पश्चात जिला योजना समिति की बैठक में उपस्थित होने कलेक्ट्रेट पहुंची जहां उन्होंने जनप्रतिनिधियों जिला योजना समिति के सदस्य एवं अधिकारियों के साथ बैठक में उपस्थित रही

जब कांग्रेसी करने लगे नारेबाजी

बताया जाता है कि बढ़ती महंगाई सहित 4 बिंदुओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में प्रभारी मंत्री को ज्ञापन कांग्रेस जनों द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के नेतृत्व में सौंपा जाना था लगभग 11:00 बजे से कांग्रेसी कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट परिसर में ज्ञापन देने हेतु प्रभारी मंत्री का इंतजार कर रहे थे लगभग 4 घंटे के इंतजार के पश्चात जब प्रभारी मंत्री जिला योजना समिति के बैठक में उपस्थित थी और कांग्रेसियों ने मुख्य द्वार पर ही नारेबाजी शुरू कर दी जैसे ही नारेबाजी शुरू हुई वैसे प्रशासन हरकत में आया और कांग्रेश जनों को परिसर के बाहर ले जाकर ज्ञापन सौंपने को कहा और लंबे इंतजार के पास कांग्रेस कार्यकर्ता प्रभारी मंत्री को महंगाई सहित अन्य मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

वैक्सीन की कमी को लेकर परेशान हो रहे लोग

सिहोरा। देश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर की रफ्तार अब थमने लगी है। तीसरी लहर की आशंका के चलते हर कोई वैक्सीन लगवा कर सुरक्षित होना चाह रहा है हालांकि, कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिए देश में तेजी से टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन अब वैक्सीन की किल्लत एक बार फिर टीकाकरण अभियान पर ग्रहण बनती नजर आ रही है। गत 8 जुलाई से वैक्सीन का स्टॉक खत्म होने के कारण वैक्सीनेशन सेंटर बंद पडे है , जिसके चलते टीका लगवाने गए लोगों को निराश होकर घर लौटना पड़ा। ऐसे में गंभीर सवाल यह उठता है कि क्या कोरोना की तीसरी लहर आने की आशंका टल पाएगी?

वैक्सीन की कमी के चलते रोकना पड़ेगा वैक्सीनेशन

कोरोना वैक्सीन को लेकर नगर में एक बार फिर से वैक्सीन की किल्लत की स्थिति देखने को मिल रही है। उल्लेखनीय है कि पहले अनेक प्रकार की अफवाहों के चलते लोग सुरक्षा कवच लगवाने से कतरा रहे थे लेकिन लगातार चलाए गए जागरूकता अभियान के चलते वैक्सीन के प्रति जागरूक हुए लोगों को टीका लगवाने अब परेशान होना पड़ रहा है। विकासखंड स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर आरपी त्रिपाठी से प्राप्त जानकारी के अनुसार सिहोरा विकासखंड में हेल्थ वर्कर फ्रंटलाइन वर्कर एवं पब्लिक को फर्स्ट एवं सेकंड डोज मिलाकर कुल 73892 टीके लगाए गए हैं। विकासखंड के 429 हेल्थ केयर वर्कर तथा 900 लाइन वर्कर को दोनों डोज के अलावा पब्लिक को 60337 फर्स्ट डोज तथा 10897 को सेकंड डोज और कुल 73892 टीके लगाए गए हैं। इस प्रकार यदि देखा जाए तो विकासखंड की लगभग आधी आबादी अभी सुरक्षा कवच से वंचित है।

जिला महिला कांग्रेस ने प्रभारी मंत्री को सौंपा ज्ञापन

प्रदेश से पेट्रोल डीजल की कीमत कम करने बिजली कटौती बंद की कि मांग

अनूपपुर। जिला महिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मंजू मिश्रा के नेतृत्व में कांग्रेस जनों ने अनूपपुर पहुंची मध्यप्रदेश शासन की मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री मीना सिंह को बढ़ती महंगाई को लेकर एक ज्ञापन सौपी।जिला महिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा ज्ञापन में जो मांगे उल्लेखित की गई उनमें प्रमुख रूप से पेट्रोल, डीजल के बढ़ते दाम से परेशानी- भाजपा सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल के दामों में लगातार बेतहासा मूल्य वृद्धि से आम नागरिकों के जीवन को आर्थिक परेशानी में डाल दिया है। पूरे भारत में अनूपपुर जिला पेट्रोल, डीजल की महंगाई में चर्चा का विषय बना हुआ है। सर्वाधिक दाम पूरे भारत में अनूपपुर में है। जिससे खान-पान से संबंधित एवं आवागमन से संबंधित सामग्रियों का रेट काफी बढ़ गया है। महंगाई के चलते लोगो की कमर टूट गई। लॉकडाउन के समय मोटर वाहन चालकों को ठेकेदारों को राहत प्रदान की गई लेकिन आम जनता को किसी तरह की राहत नहीं दी गई महंगाई के चलते गरीब आदिवासी, मध्यम वर्गीय परिवार के लोगो को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आशा कार्यकर्ताओं का न्यूनतम वेतन 18000 से 24000 निर्धारित किया जाए आशा कार्यकर्ताओं की सहयोगियों को कर्मचारी के रूप में और लैब टेक्नीशियन स्वास्थ्य कर्मी जिन पर आवश्यकता पड़ने पर कार्य लिया जाता है उनके भविष्य को देखते हुए नियमितीकरण किया जाए कोविड-19 की ड्यूटी में कार्यरत सभी आशा एवं सहयोगियों को निर्धारित राशि का तुरंत भुगतान किया जाए कोविड-19 के दौरान जान गवाने वाले करो ना जो ध आशा कार्यकर्ता के परिवार को शासन द्वारा उपकरण के लिए विशेष भत्ता उपलब्ध कराया जाए ।

बारिश जो गई तो फिर लौट के नहीं आई

बघराजी। बारिश जो गई तो लौट के नहीं आई ये मानसून कहां गायब हो गया इस तरह के जुमले शहर गांव सब जगह सुने जा रहे हैं 6 इंच के लगभग हुई बारिश से ऐसा लगा था कि माहौल बना रहेगा लेकिन अभी तक बारिश का कोई मूड बघराजी एवं आस पास के क्षेत्रों के अनुकूल नहीं लग रहा। मौसम को देखकर ऐसा लगता है कि इंद्रदेव भी बघराजी क्षेत्र से मजाक करने के मूड में आ गए हैं तभी तो नगर को प्यासा छोड़ रहे हैं बादल कई बार तो ताबड़तोड़ बारिश की संभावना जताकर किनारे हो जाते हैं बीते 72 घंटों के दौरान अकल्पनीय धूप खिल रही हैं और उमस के कारण लोगों का बुरा हाल है।

तीन दिन से सता रही धूप, पसीना कर रहा हलाकान

अब तो बादल तक नहीं

जब बारिश होने की संभावना नहीं जताई गई थी तब तो बादल छा भी जाते थे लेकिन अब तो स्थिति ये है कि काले बादल तक नहीं छा रहे हैं कल और आज की स्थिति है यही रही और तो और उमस ने लोगों का बुरा हाल कर दिया कल का दिन और रात तो ऐसे गुजरा मानों मई का महीना हो पसीने से तर-बतर लोग परेशान हो गए ।

पारा सामान्य से अधिक

आंकड़ों के मामले में बारिश गत वर्ष की तुलना मैं ज्यादा है गत वर्ष आज के दिन तक इस बार 4 इंच बारिश हो चुकी है पारा सामान्य से ज्यादा रिकॉर्ड हो रहा है आज सुबह 27.3 डिग्री सेल्सियस पारा रिकॉर्ड किया गया जोकि सामान्य से दो डिग्री अधिक था दिन का तापमान है सामान्य से ज्यादा रिकॉर्ड हो रहा था कुल मिलाकर नगर वासियों को हाल फिलहाल उमस से परेशान होते रहना होगा।

सरपंच कप में देवरी की रोमांचक जीत

जबलपुर। पहाडीखेडा में सरपंच कप का आयोजन किया गया। लॉकडाउन के चलते इसका फाइनल मैच आज सालीवाडा और देवरी के मध्य खेला गया। जिसमें देवरी विजयी रहा। देवरी द्वारा निर्धारित ओवर में मनीष की 42 रनो की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की मदद से 88 रन का टारगेट दिया। जिसे सौरभ की घातक गेंदबाजी. एक ही ओवर में 4 विकेट लेकर सालीवाडा को निर्धारित ओवर से पहले ही ऑल आउट कर दिया। मनीष को शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया एवं अच्छी गेंदबाजी के लिए सौरभ को 5 हजार का नगद पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बटेश्वर धाम पुजारी पंडित विजय पांडे. जनपद अध्यक्ष संजय पटेल. अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद जिला मीडिया प्रभारी योग गुरु शिवराम राहुल साहू. सौरभ बर्मन.सौरभ साहू. नितिन झारिया शक्ति पटेल. अनिल दादा एवं समस्त क्षेत्रवासी उपस्थित रहे आयोजक पहाड़ीखेडा सरपंच मुरली पटेल, शिवराम राहुल साहू द्वारा विजेता टीम देवरी को 21 हजार और एक चमचमाती ट्रॉफी एवं उपविजेता टीम सालीवाडा को 11 हजार और एक चमचमाती ट्रॉफी दी गई।

सौरभ की घातक गेंदबाजी,एक ओवर में झटके चार विकेट

ऑल इंडिया बार परीक्षा में जनरल प्रमोशन दिए जाने की मांग, स्टेट बार को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। अखिल भारतीय अधिवक्ता मंच के प्रदेश महामंत्री अधिवक्ता तरुण कुमार रोहितास ने एमपी स्टेट बार कौंसिल के उपाध्यक्ष आरके सिंह सैनी व सचिव प्रशांत दुबे को एक ज्ञापन सौंपा।इसके जरिये ऑल इंडिया बार परीक्षा में नए वकीलों को जनरल प्रमोशन दिए जाने पर बल दिया गया। ज्ञापन में कहा गया कि कोरोना की वजह से स्कूल-कॉलेज बंद चल रहे हैं। पहली लहर ने बहुत नुकसान किया। दूसरी लहर ने परीक्षाओं को दरकिनार कर दिया। इस वजह से स्कूल-कॉलेज में जनरल प्रमोशन दिया गया। इसी तर्ज पर सभी अधिवक्ता बतौर नामांकित विधि छात्रों को भी जनरल प्रमोशन दिया जाए। अखिल भारतीय अधिवक्ता मंच के प्रदेश सचिव अधिवक्ता शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, गोविंद अहिरवार, अमित चावन्दे, आनन्द राठौर, संजय सिंघई,पवन रोहित,अमित विश्वकर्मा, राहुल द्विवेदी,चचंल शर्मा,ब्रजेन्द्र सिंह यादव,गुलाब सिंह ठाकुर, नितीन जैन सहित अन्य ने इस मांग का समर्थन किया है।

झमाझम बारिश का इंतजार किसान परेशान

सिहोरा । जेठ के बाद आषाढ़ मास में भी पानी ना गिरने से लोगों के साथ ही किसानों की परेशानी बढ़ती जा रही है लोग बेसब्री से मानसून में होने वाली झमाझम बारिश के इंतजार में है लेकिन आसमान पर छाये बादल सिर्फ किसानों की परेशानी बढ़ा रहे हैं अब तो अच्छी बारिश को लेकर लोगों ने इंद्रदेव से कामना भी प्रारंभ कर दी है दिन भर सूरज की चुभती धूप के बीच बादलों की आवाजाही एवं उमस भरे वातावरण में लोगों का जीना मुश्किल कर रखा है वही किसानों द्वारा तैयार किया गया धान का रोपा सूखने की कगार पर पहुंच गया है अनेक किसानों ने ट्यूबवेल के माध्यम से रोपाई तो प्रारंभ कर दी लेकिन किसानों को इस बात की चिंता सता रही है कि ट्यूबवेल के भरोसे धान की खेती नहीं की जा सकती ।

प्रसूताओं और नवजात के लिए पूर्णतः सुरक्षित सेवा

कोरोना काल में वरदान बनी जननी एक्सप्रेस

भोपाल। मध्यप्रदेश में आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाओं का पर्याय बन चुकी जिकित्जा हेल्थ केयर लि् कोरोना काल में प्रदेश के लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है। खासतौर पर गर्भवती महिलाओंए प्रसूताओं और नवजात बच्चों के लिए क्योंकि संक्रमण के समय में इन्हें सुरक्षा और सावधानियां बेहद जरूरी होती है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर कंपनी द्वारा योग्य और प्रशिक्षित स्टाफ द्वारा सैनिटाइज्ड जननी एक्सप्रेस का संचालन किया जा रहा है। इनमें शासन के निर्देशों का पालन करते हुए हर सावधानी रखी जा रही है ताकि प्रसूताओं व बच्चों के लिए अस्पताल जाना और इलाज लेकर वापिस आना पूरी तरह सुरक्षित और सुविधाजनक रहे। कोरोना का संक्रमण होने के बावजूद जननी एक्सप्रेस द्वारा 2020 में प्रदेश में गर्भवती महिलाओं से जुडे16 लाख 89 हजार 683 मामलों में और वर्ष 2021 में जून माह तक 7 लाख 44 हजार 191 मामलों में आपातकालीन मदद दी गई। अपने इस सेवा काल में कंपनी ने 49 लाख 41 हजार 98 गर्भवती महिलाओं को घर से अस्पताल पहुँचायाए जबकि 25 लाख 19 हजार 237 महिलाओं को अस्पताल से घर तक पहुँचाया। इस तरह कुल 74 लाख 60 हजार 335 गर्भवती महिलाओं को सेवा दी।

प्रदेश भर में तैनात 606 संजीवनी 108 एंबुलेंस एम्बुलेंसए 839 जननी एक्सप्रेस

प्रदेश के लोगों को दी जाने वाली आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कंपनी द्वारा हर तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। इनमें साधन.सुविधाओं को बढ़ाने के साथ स्टाफ को प्रशिक्षित करने तक का काम शामिल है। प्रदेश भर में 606 एम्बुलेंस द्वारा आपातकालीन मामलों में स्वास्थ्य सुविधा दी जा रही है। इनमें 51 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस हैं जबकि बाकी एम्बुलेंस बेसिक लाइफ सपोर्ट सिस्टम वाली है। जननी एक्सप्रेस की संख्या 839 है। जिनके द्वारा प्रदेश के कोने.कोने में गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों को सेवा दी जा रही है।

ज्यादा से ज्यादा महिलाओं और बच्चों को सुविधा देने की कोशिशए फोन पर देते हैं जानकारी

स्वास्थ्य संबंधी आपातकालीन मामलों में लोग जिकित्जा कंपनी के हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर मदद लेते ही हैं लेकिन कंपनी भी अपनी ओर से गर्भवती महिलाओं और बच्चों का हाल जानती है और जरूरत पडने पर मदद संबंधी जानकारी देती है। कंपनी द्वारा मरीज के घर और अस्पताल के बीच एम्बुलेंस की निशुल्क सुविधा दी जाती है और इसकी जानकारी देने के लिए कंपनी खुद गर्भवती महिलाओं के घर फोन लगाती है। कंपनी द्वारा गर्भवती महिलाओं को प्रसूति की अनुमानित तारीख के पहले कॉल कर सेवा के बारे में बताया जाता है ताकि ज्यादा से ज्यादा महिलाएं इसकी मदद ले सके। नवजात बच्चों को आपातकालीन मामलों में अस्पताल लाने . ले जाने के लिए भी निशुल्क सेवा दी जा रही है साथ ही उन बच्चों के लिए भी यह सुविधा दी जा रही है जिन्हें तय समय सीमा में इलाज के लिए अस्पताल जाना होता है। कंपनी पहले से इस तरह के बच्चों की जानकारी लेती है और समय पर यह सुविधा देती है। यह पूरा काम बेहद सुरक्षित तरीके से किया जाता है ताकि संक्रमण का कोई खतरा न हो।

सूचना

यशभारत समाचार पत्र में प्रकाशित हाने वाले विविध विज्ञापनों के लेखों की जांच पड़ताल करने के बाद ही पाठक इस संबंध में आर्थिक व्यवहार करें, विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापनदाता जो दावे पेश करते हैं, उनकी जवाबदारी, यशभारत समाचार पत्र नहीं देता, विज्ञापन में किये गये दावों की पूर्ति अगर विज्ञापनदाताओं द्वारा नहीं की जाती है तो उसके परिणाम के लिए यशभारत समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं रहेगा।

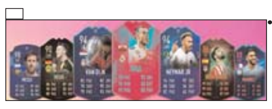

मां बनने की खुशी और दर्द के बीच उलझीं कृति सेनन

कृति अपकमिंग फिल्म मिमी इस वक्त

काफी चर्चा में हैं। इस फिल्में कृति एक ऐसा किरदार निभाने जा रही हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। कृति फिल्म में सेरेगेट मदर की भूमिका निभाएंगे जो कि उनके लिए एक नया एक्सपीरियंस होने वाला है।

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की अपकमिंग फिल्म %मिमी% इस वक्त काफी चर्चा में हैं। इस फिल्म में कृति एक ऐसा किरदार निभाने जा रही हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। कृति फिल्म में सेरेगेट मदर की भूमिका निभाएंगी जो ज़ाहिर है उनके लिए एक नया एक्सपीरियंस होने वाला है। %मिमी% का ट्रेलर भी आज रिलीज़ कर दिया गया है।

क्या है ट्रेलर में..

ट्रेलर की मानें तो फिल्में कृति सेनन राजस्थान की एक स्मॉल टाउन डांसर की भूमिका में नज़र आएंगी और उनके मालिक होंगे पंकज त्रिपाठी। ट्रेलर में दिखाया गया है कि पंकज की मुलाकात एक विदेशी कपल से होती है जो माता-पिता बनना चाहते हैं, और उन्हें तलाश होती है एक सेरोगेट मदर की। पंकज को जब ये बात पता चलती है तो वो कृति से उनकी सेरोगेट मदर बनने की बात कहते हैं। पहले तो कृति ऐसा करने से मना कर देती हैं, लेकिन जब उन्हें पता चलता है कि इसके लिए उन्हें 20 लाख रुपए मिलेंगे और किसी के साथ सोना भी नहीं पड़ेगा तो वो राज़ी हो जाती हैं। कृति प्रेग्नेंट हो जाती हैं... सब कुछ ठीक चल रहा होता है तभी पता चलता है कि उस कपल को बच्चा नहीं चाहिए ये जानकर कृति बुरी तरह बिखर जाती हैं और फिर पंकज त्रिपाठी को अपने बच्चे का बाप बता देती हैं। दर्द और खुशी के बीच मां बनने की ये कहानी ट्रेलर से काफी इंट्रेस्टिंग लग रही है अब फिल्म कैसी होगी ये तो रिलीज़ के बाद ही पता चलेगा। आपको बता दें कि फ़िल्म 30 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स और जियो सिनेमा पर एकसाथ स्ट्रीम की जाएगी। फिल्म में कृति और पंकज के अलावा Sai Tamhankar, सुप्रिया पाठक, मनोज पाहवा भी ली रोल में नज़र आएंगे। आपको जानकार हैरानी होगी कि मिमी में अपने किरदार की मांग पूरा करने के लिए कृति ने 15 किलो वजन बढ़ाया है। मिमी के अलावा कृति कई फ़िल्मों में नज़र आने वाली हैं। अक्षय कुमार के साथ कृति बच्चन पांडेय में दिखेंगी। इससे पहले हाउसफुल 4 में वो अक्षय के साथ पेयरअप हो चुकी हैं। प्रभास के साथ आदिपुरुष में भी कृति नज़र आने वाली हैं। भेड़िया में कृति वरुण धवन के साथ दिखेंगी।

इंस्टाग्राम 'क्वीन' बनीं नेहा कक्कड़ 60 मिलियन हुए फॉलोअर्स

नेहा कक्कड़ आज इंडस्ट्री की जानीमानी गायिका हैं। सिंगिंग रिएलिटी शो 'इंडियन आइडल' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली नेहा ने अपनी सिंगिंग और मेहनत के दम पर वो मुकाम हासिल किया है कि उन्हें सिर्फ अपने देश में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में पहचाना जाता है।

नई दिल्ली। बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ आज इंडस्ट्री की जानीमानी गायिका हैं। सिंगिंग रिएलिटी शो 'इंडियन आइडल' से अपने करियर की शुरुआत करने वाली नेहा ने अपनी सिंगिंग और मेहनत के दम पर वो मुकाम हासिल किया है कि उन्हें सिर्फ अपने देश में ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में पहचाना जाता है। दुनियाभर में नेहा की सिंगिंग का जादू चलता है और फैन फॉलोइंग में मामले में तो नेहा बॉलीवुड की बड़ी-बड़ी एक्ट्रेसेज़ को पीछे छोड़ती हैं। पॉपुलैरिटी के मामले में नेहा कई बड़े स्टार्स को पीछे छोड़ चुकी हैं इस बात का सबूत है उनका इंस्टाग्राम अकाउंट। नेहा ने हाली में एक वीडियो शेयर कर इस बात की जानकारी दी है कि इंस्टाग्राम पर सिंगर के 60 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं। जी हां, 60 मिलियन फॉलोअर्स जो कि बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण, कटरीना कैफ, कंगना रनोट जैसी हिट अभिनेत्रियों के भी नहीं हैं। नेहा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर अपनी खुशी ज़ाहिर की और फैंस को ढेर सारा प्यार दिया है। एक्ट्रेस ने इंस्टा पर जो वीडियो शेयर किया है उसमें वो अपने पति रोहनप्रीत के साथ एक होटल में एंट्री करती दिख रही हैं। वीडियो में दिख रहा है कि होटल के गेट पर उनका स्वागत करने के लिए कुछ स्टाफ मेंबर्स खड़े हुए हैं जिनके हाथ में केक लगा हुआ है और होटल के गेट पर लिखा है, '60 M Followers' नेहा ये देखकर काफी खुश नज़र आ रही हैं।

मेरा तो इंडस्ट्री में कोई नहीं...

फिल्मों में हीरो नहीं बनते जिम्मी शेरगिल, बोले- मेरा तो इंडस्ट्री में कोई नहीं...

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता जिम्मी शेरगिल फिल्मों में अपने अलग और खास अभिनय के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने बहुत सी फिल्मों में सह कलाकारों के तौर पर अभिनय कर काफी सुर्खियां बोटरी हैं। जिम्मी शेरगिल ने अब खुलासा किया है कि उन्होंने कभी क्यों फिल्मों में मुख्य अभिनेता की भूमिका अदा करने पर जोर नहीं दिया है। उन्होंने कहा है कि इस तरह की लग्जरी चीजें करने का वह इंतजार नहीं कर सकते थे। जिम्मी शेरगिल ने हाल ही में रेडियो जॉकी सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने करियर को लेकर लंबी बात की। इस दौरान उनसे पूछा गया कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में ढाई दशक अपने आपको कैसे मैनेज किया। इस सवाल के जवाब में जिम्मी शेरगिल ने कहा है कि वह हर तरह की परिस्थिति को स्वीकार करने की कोशिश करते हैं। वह अपनी उन पसंद के साथ खड़े रहते हैं जिन्हें वह खुद चुनते हैं। जिम्मी शेरगिल ने आगे कहा, %मेरा तो इंडस्ट्री में कोई नहीं था तो मुझे इसी तरह से अपना करियर दिखा कि कहीं कुछ मजेदार मिले वो कर लिया। यह नहीं सोचा कि मैं सिर्फ हीरो ही करूंगा और उसके बाद फिर दो साल घर पर बैठा रह गया। वो सब लग्जरी मेरे पास नहीं थी इसलिए मुझे वो सारे रोल पसंद करने पड़े जो मैंने किए। कई बार लोग मेरे से पूछते हैं कि आपको क्या जरूरत थी ? आप अच्छा भला हीरो का रोल कर रहे थे। आपको यह छोटा रोल करने की क्या जरूरत थी ? उससे आप समान किरदार वाले हो गए है। उस वजह से आपको ऐसी रोल मिलते हैं।% जिम्मी शेरगिल ने आगे कहा, %बॉस एक समय ऐसा था जब मैं खुद पसंद करता था। मैं जो भी करता हूं उस पर मुझे गर्व है और मैं इसके लिए अभारी हूं। ऐसा ही होता रहा है, ऐसा नहीं है कि मुझे थाली में कुछ मिला है।% आपको बता दें कि जिम्मी शेरगिल इन दिनों अपनी फिल्म कॉलर बॉम्ब को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री आशा नेगी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म कॉलर बॉम्ब 9 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई है। फिल्म में जिम्मी शेरगिल मनोज हेसी नाम के पुलिस अफसर के किरदार में हैं। फिल्म का निर्देशन ध्यानेश जोटिंग ने किया है। फिल्म में राजश्री देशपांडे भी एक अहम किरदार में हैं। कॉलर बॉम्ब की स्क्रिप्ट निखिल नायर ने लिखी है। फिल्म को दर्शकों के मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

शहर में 15 नए अस्पताल शीघ्र

तेजी से चल रहा काम, अगले दो साल में हो जाएंगे तैयार

एक अस्पताल में होंगे 2 हजार बेड कई नए अस्पताल खुलेंगे

जबलपुर,यशभारत। आने वाले दो साल में जबलपुर के कई क्षेत्रों को नए अस्पतालों की सौगात मिलेगी। शहर के बिल्डर और नामी-गिरामी लोगों ने अस्पताल खोलने के लिए तैयारी कर ली है। कहा यह जा रहा है कि एक अस्पताल दो हजार बैड का होगा, जिसमें बड़े शहरों के अस्पतालों जैसी मूलभूत सुविधाएं व्यवस्थाएं रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि कोरोना काल में शहर में अस्पताल तो थे, लेकिन वहां पर मरीजों को भर्ती करने के लिए बेड की की भारी नहीं थे, व्यवस्थाएं नदारद थी। कुछ अस्पताल तो ऐसे थे जहां से मरीजों को भर्ती करने के बजाए भगाया जा रहा था। यह स्थिति देखकर जिला प्रशासन दीनदयाल क्षेत्र में पांच सौ बिस्तरों का कोविड केयर सेंटर का निर्माण किया था। बताया जा रहा है कि शहर में दो साल के अंदर बड़े-बड़े अस्पतालों का निर्माण होगा।

शहर के इन क्षेत्रों में बनेंगे नए अस्पताल

नए अस्पतालों को लेकर अभी तक जो जानकारी सामने आई है उसमें राइट टाउन में दो, कटंगी रोड, सिविल लाइन, नेपियर टाउन, महानद्दा, तिलहरी रोड, रेलवे हवाबाग सहित अन्य क्षेत्रों में अस्पताल खोलने की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। बताया जा रहा है कि इन अस्पतालों का संचालन बड़े-बड़े डॉक्टर और बिल्डर्स करेंगे।

इन सुविधाओं से लैस रहेंगे अस्पताल

शहर में खुल रहे दो हजार अस्पतालों में मरीजों की सुविधाओं को देखते हुए आधुनिय टैक्रोलॉजी का प्रयोग किया जाएगा। जिसमें मरीजों की जांचे, उनकी रिपोर्ट जल्द ही मुहैया हो सकेंगी। ताकि इलाज तुरंत शुरु किया जा सके। इतना ही नहीं अस्पतालों में कोरोना से संबंधित इलाज का एक पूरा खाका बनाया जाएगा। जिसपर काम कर, मरीजों की कंडीशन के हिसाब से तुरंत इलाज शुरु कर दिया जाएगा।

देर आए दुरुस्त आए

कोरोनाकाल की भयंकर त्रासदी ने लाखों परिवारों को बर्बाद कर दिया। स्थिति यह थी कि अस्पताल पूरे फु ल थे और मरीज सड़कों पर बे-मौत मर रहे थे। जिसके बाद प्रशासन को यह कदम उठाना पड़ा। हांलाकि देर आए दुरुस्त आएज्.परंतु नवीन अस्पतालों के निर्माण के बाद भीड़ से मुक्ती तो मिलेगी ही साथ ही साथ इलाज भी बेहतर होगा। जिसका सीधा फायदा मरीजों को होगा। इतना ही नहीं यहां कोविड से संबंधित इलाज की विशेष सुविधाएं होंगी। कोरोनाकाल में अन्य बीमारियों से संबंधित इलाज नहीं हो पा रहा था, जिससे वे मरीज जिनको कोरोना नहीं था, वह भी अनायास ही काल के गाल में समा गए। इस स्थिति से भी अब छुटकारा मिलने की उम्मीद है।

मृतक के जीवित अवस्था का चित्र, घटना स्थल का जायजा लेते पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा और शोकाकुल परिजन

जीसीएफ के रिटायर कर्मचारी की घर में मिली लाश

कंचनपुर में बुजुर्ग की हत्या

जबलपुर, यशभारत। अधारताल थाना के तहत कंचनपुर में एक घर में 65 साल के वृद्ध की लाश मिली है। मृतक के गले में चोट के निशान के साथ उसके कमरे से दो मोबाइल गायब थे। मृतक जीसीएफ का रिटायर कर्मचारी है और अपनी बहन, भांजे-भांजी के साथ रहता था।

घटना की जानकारी लगते ही पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा ने देररात मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। इस दौरान एसपी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जल्द से जल्द मामले को उजागर कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाए। कंचनपुर में सोमवार की देररात उस समय हड़कंप मच गया जब जीसीएफ रिटायर कर्मचारी 65 वर्षीय रामदास लटोरिया अपने कमरे में मृत अवस्था में मिले। इसकी जानकारी परिवार के सदस्यों पुलिस को दी। अधारताल पुलिस को मृतक की बहन रश्मि नामदेव ने बताया कि भाई रामदास लटोरिया ने शादी नहीं की थी और वह उनके साथ कई सालों से रह रहे हैं। सोमवार की सुबह जब वह पति के घर में थी बेटे ने सूचना दी कि मामा रामदास लटोरिया ऊपर वाले कमरे में मृत पड़े हुए हैं।

गले में चोट के निशान

अधारताल थाना प्रभारी शैलेष मिश्रा ने बताया कि मृतक रिटायर जीसीएफ कर्मचारी के गले में चोट के निशान है। प्रारंभिक जांच में पूरा मामला हत्या से जुड़ा होना प्रतीत हो रहा है। शव को पीएम के लिए भिजवाते हुए जांच शुरू कर दी है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही तय होगा कि वृद्ध की मौत कैसे हुई है।

मृतक के दो मोबाइल गायब

पुलिस ने मौके पर जाकर मृतक वृद्ध के कमरे की तलाशी लेते हुए सबूत के तौर पर मृतक के कुछ चीजों को जप्त किया। इस दौरान वृद्ध की बहन रश्मि नामदेव ने बताया कि भाई अपने साथ दो मोबाइल रखते थे लेकिन कमरे में जब वह आई तो दोनों मोबाइल गायब थे। पुलिस का कहना है कि संभवत: किसी ने जानबूझकर ` मोबाइल गायब किए हैं।

शादी नहीं की बहन के साथ रहता था वृद्ध

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि जीसीएफ से रिटायर कर्मचारी ने शादी नहीं की थी। वह अपनी बहन के साथ कंचनपुर अधारताल में रहता था। बहन का एक लड़का और लड़की भी साथ में रहते थे। उल्लेखनीय है कि वारदात के बाद उनका पालतू कुत्ता बंधा मिला जबकि रोज वह खुला घूमता रहता था।

दामाद को जानकारी लगी तो मौके पर पहुंचा

अधारताल पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक की बहन के पति अनुराग नामदेव को जब इसकी जानकारी लगी तो वह मौके पर पहुंचा। पुलिस जांच में जुटी है कि मृतक और दामाद एक साथ क्यों नहीं रह रहे थे।

बहन का पति साथ में नहीं रहता था

अधारताल पुलिस ने बताया कि रामदास लटोरिया अपनी बहन रश्मि नामदेव के साथ कंचनपुर में रहते थे जबकि उनके दामाद दीक्षितपुरा में अलग रहता था। पुलिस का कहना है कि शनिवार और रविवार को मृतक की बहन अपने पति के घर दीक्षितपुरा में रहने चली जाती थी। सुबह सोमवार को जब बहन घर पहुंची तो भाई को मृत अवस्था में कमरे में पाए गए। अब पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच में जुटी है।

फोटो- अशोक बर्मन

पूर्व पार्षद ने मकान दिलाने हड़पे 6 लाख

दूसरे का मकान दिखाकर ले लिए पैसे, अब दर-दर की ठोकर खाने विवश है पीड़िता

जबलपुर। नगर निगम का मकान दिलवाने के लिए एक पूर्व पार्षद ने महिला को पहले तो सस्ते आशियाने के सपने दिखाकर 6 लाख की रकम जमा करने को कहा। जिसके बाद पीड़िता ने जिम्मेदार जनप्रतिनिधि की बातों मे विश्वास कर रुपए जमा कर दिए। लेकिन उसे क्या पता था कि जिस मकान में वह हंसी-खुशी रहने जा रही है, वह तो किसी और का है। जब पीड़िता ने पूर्व पार्षद से मकान के दस्तावेज मांगे तो वह साफ मुकर गया। जिसके बाद पीड़िता अब दर-दर की ठोकर खाने विवश है। एसपी कार्यालय पहुंची श्रीमती आरती सिंह पति शुभम सिंह ठाकुर, निवासी पन्नी मोहल्ला सुहागी अधारताल ने बताया कि सन् 2019 में गिरीश गोटिया पूर्व पार्षद महाराजपुर ने मेरे पति शुभम सिंह से नगर निगम का मकान दिलवाने का वायदा कर, 6 लाख रुपए लिए, लेकिन आज तक मकान के दस्तावेज नहीं दिलवाए है। वह मकान जो दिलवाया है वह भी किसी अन्य का है। पुलिस कप्तान ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बेलखेड़ा में चोर के पीछे भागा शिक्षक

पेटी से नगद 40 हजार रुपए और जेवरात पार कर रफूचक्कर हुए चोर

जबलपुर। थाना बेलखेड़ा अंतर्गत एक शिक्षक के घर में चोरों ने घुसकर पेटी पार कर दी और बाहर जाकर उसमें से नगद 40 हजार रुपए और जेवरात निकाल कर पेटी फेंक कर चलते बने। पीड़ित शिक्षक, पत्नी के बताने पर चोरों का पीछा करता रहा, लेकिन तब तक वह रफूचक्कर हो चुके थे। जिसके बाद शिक्षक ने थाना पहुंचकर मामला दर्ज करवाया है। जानकारी अनुसार कृष्णकांत चौबे उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम मनकेड़ी ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह प्राथमिक शाला नवीन चरगवां में शिक्षक के पद पर पदस्थ है। रात में वह खाना खाकर सो गये थे लगभग 2 माह से मकान का निर्माण कार्य चल रहा है वह नये वाले कमरे में सो रहा था उसकी पत्नी एवं बच्चा

अनुज चौबे पुराने वाले मकान में सो रहे थे। आज रात लगभग 1 बजे उसकी पत्नी के चोर-चोर चिल्लाने की आवाज पर उठा तो उसकी पत्नी ने बताया कि चोर आये थे जो स्कूल तरफ भाग गये है, उसने जाकर देखा तो पिपरिया मोड़ तरफ 2 लड़के भागते हुये दिखे। वह घर आया एवं मोटर सायकिल लेकर पुनः तलाश की जो नहीं मिले । घर वापस आकर देखा तो घर के अंदर रखी पेटी नहीं थी। पेटी में 40 हजार रूपये नगद, सोने का 1 हार, 2 अंगूठी, पुराने चांदी के लच्छे, तथा सिक्के रखे थे। कोई अज्ञात चोर निमार्णाधीन मकान के पास से घर के पीछे की कुलिया से अंदर घुसकर पेटी जिसमें नगदी सहित सोने चांदी के जेवर रखे थें। चुरा ले गया है। तलाश करने पर पेटी स्कूल के पास खुली पड़ी मिली। जिसमें रखे कपड़े बिखरे थे, नगदी रूपये एवं जेवर गायब थे। पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

कार ने मारी टक्कर, मासूम हुई घायल, आरोपी फरार

जबलपुर। थाना तिलवारा अंतर्गत एक कार से साइड से कार में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गयी तो वहीं एक मासूम घायल हो गयी। अब पुलिस फरार आरोपी को तलाश करने में जुटी है।

तिलवारा में सड़क हादसा

जानकारी अनुसार धनराज झारिया उम्र 35 वर्ष निवासी आजाद चौक रामपुर ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह आर्डिनेंश फैक्ट्री में नौकरी करता है। गत दिवस ग्राम खुलरी से अपने घर वापस आ रहा था तभी चरगवां रोड दद्दा जी नेत्रालय के सामने अपनी कार बलेनो क्रमांक एमपी 20 सीके 0152 को स्वंय चला रहा । कार में उसकी भांजी काजल झारिया, प्रांसी झारिया, बिट्टू झारिया, पलक झारिया बैठीं थीं । उसी समय जोधपुर पड़ाव की तरफ से महिन्द्रा पिकअप क्रमांक एमपी 20 जीए 9685 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये बाजू से उसकी कार में टक्कर मार दी। जिससे गाड़ी के दोनो गेट क्षतिग्रस्त हो गये। उसकी भांजी प्रान्सी झारिया उम्र 14 वर्ष निवासी धनवंतरीनगर को सिर में चोट आयी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर, जांच में लिया है।

चरगवां में कार पलटी, 4 घायल

तो वहीं दूसरी ओर थाना चरगवां में एक कार पलटने से उसमें सवार चार लोग बुरी तरह घायल हो गए। सूत्रों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि कार क्रमांक एमपी 20 सीए 9718 से घर जा रहे थे तभी कार अचानक पलट गयी। जिसमें सवार राजा विश्वकर्मा, राजा राय, राहुल राय व छोटू यादव बुरी तरह घायल हो गए।

शराब तस्कर युवक कर रहा था ग्राहक का इंतजार

जबलपुर। खमरिया थाना अंतर्गत पुलिस ने एक शराब तस्कर को उस वक्त दबोच लिया जब वह भारी मात्रा में शराब लेकर ग्राहक का इंजतार करता रहा। जानकारी अनुसार मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम हिनोता में पुलिया के पास मेन रोड में हिनौता निवासी कार्तिक धुर्वे अवैध रूप से अधिक मात्रा में कच्ची शराब बेचने के लिये रखे खड़ा है। सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गयी जहां 2 केन में आरोपी युवक कार्तिक धुर्वे उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम हिनौता जो 2 प्लास्टिक के काले रंग के केनों में 62 लीटर कच्ची शराब रखे मिला । जिसे जब्त करते हुये आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गई।

नशे में निगल गई मौत

4 दिन पुराने शव की नहीं हो सकी शिनाख्त

जबलपुर। हनुमानताल थाना अंतर्गत बकरा मंडी में स्थित नाले में एक युवक की 4 दिन पुरानी लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी का माहौल है। पुलिस विभाग इस गुत्थी को सुलझाने प्रयासरत है, लेकिन अभी तक उलझे मामले को सुलझाया नहीं जा सका है। शव में चोट के निशान नहीं है, प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि शायद युवक नशे में था और नाले में गिर गया,जिससे उसकी मौत हो गयी। जानकारी अनुसार हनुमानताल नाले में कल एक शव पड़ा हुआ मिला। बॉडी काफी हद तक खराब हो चुकी थी, जिससे शव पहचानने में भी दिक्कत हो रही है। ऐसी परिस्थितियों में यह तय कर पाया पुलिस के लिए मुश्किल हो रहा है कि आखिर यह शव है किसका? आसपास के लोगों को मृतक की कोई खबर नहीं है। तो वहीं दूसरी ओर जांच में यह भी नया एंगल निकल कर आ रहा है कि शायद नशे में धुत्त युवक को किसी ने धक्का देकर गिरा दिया। जिसके बाद उसकी मौत हो गयी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एनपी जायसवाल का निधन

जबलपुर। अधारताल निवासी श्री नारायण प्रसाद जायसवाल का देवलोक गमन हो गया है वे नीतिश जायसवाल के पिता जी थे अंतिम संस्कार ग्वारीघाट में सम्पन्न हुआ।

34 वीं पुण्यतिथि

मानवीय जीवन में कर्मठता की अमिट छाप छोड़ते हुए आपने हमें सदैव सद् मार्ग परिश्रम, स्नेह एवं त्याग के रास्ते चलने का संस्कार संचित अमूल्य पाठ दिया है

आपकी 34 वीं पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन

स्व. प्रेम शंकर अवस्थी

विनम्र श्रद्धांजलि: विनीता अग्निहोत्री (बेटी), विनोद अवस्थी (बेटा), मीना अवस्थी (बहु), किरण-सुशील शुक्ला (बेटी दामाद), शुभम, सोनम अवस्थी, मल्लिका, पल्लवी, प्रियांश, शैली (नाती, नातान), विहान, सान्वी (परनाती)

स्थापना 1948 73 वर्षों का आपका विश्वास
मंदिर छाप छाता
छाते ही छाते
निर्माता- लक्ष्मी अम्ब्रेला इंडस्ट्रीज
905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481944
लक्ष्मी एम्पोरियम 905 जवाहरगंज जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481229
अधिकृत विक्रेता
प्लास्टिक सिल्पोलिन तिरपाल के थोक विक्रेता मो. 9826116661
न्यू लक्ष्मी एम्पोरियम 3/15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर (मप्र) फो. 0761-2481262, 2481362

SONY Panasonic INTEX Kurl-on Haier Godrej SAMSUNG USHA PHILIPS & All Product
शादियों के लिए विशेष पैकेज उपलब्ध
आसान किश्तों पर आसान शर्तों पर
बेटी की शादी का पूरा फर्नीचर सागौन द्वारा निर्मित
मिश्रा फर्नीचर्स एण्ड इन्टरप्राइजेज
सरकारी कुंआ, शीतलामाई रोड, जबलपुर फोन नं. 2626496 मो. 9827235010
फर्नीचर्स वारंटी पर उपलब्ध

योगमणि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग
जामदार हॉस्पिटल जबलपुर
सीमित स्थान
भारतीय नर्सिंग कॉन्सिल व म.प्र. नर्सिंग काउंसिल से मान्यता प्राप्त तथा म.प्र. मेडिकल यूनिवर्सिटी से संबंद्ध
प्रवेश प्रारंभ
नर्सिंग के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सुनहरा अवसर
B.Sc. NURSING 4 वर्षीय पाठ्यक्रम
प्रवेश योग्यता - 10+2 जीव विज्ञान से (45% अंकों के साथ)
Post Basic B.Sc. Nursing 2 वर्षीय पाठ्यक्रम
प्रवेश योग्यता - GNM Pass
GNM 3 वर्षीय पाठ्यक्रम
प्रवेश योग्यता - 10+2 किसी भी विषय से (40% अंकों के साथ)
तत्काल रोजगार शासकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल CHC, PHC, AIIMS, Railway, ESIC PGI, जिला अस्पताल, अन्य सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं प्राइवेट अस्पताल में रोजगार की अपार संभावना
उपलब्ध विशेष सुविधाएँ-
- शत् प्रतिशत रिज़ल्ट
- कोर्स पूरा होते ही जॉब
- अपने स्वयं के जामदार अस्पताल, त्रिवेणी हेल्थ केअर, जिला चिकित्सालय, CHC, PHC, शासकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में क्लीनिकल प्रशिक्षण की सुविधा
- उच्च प्रशिक्षित व दक्ष टीचिंग स्टॉफ द्वारा अच्छी टीचिंग सुविधा
- कॉलेज कैम्पस में ही सर्व सुविधायुक्त हॉस्टल
- बस सुविधा
- हिंदी मीडियम के छात्र-छात्राओं के लिए इंग्लिश क्लास की सुविधा
अनुसुचित जाति, अनुसुचित जनजाति व पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को सरकारी नियमानुसार छात्रवृत्ति की सुविधा
अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें।
योगमणि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग
198/2, रैगवा, वार्ड नं. 72, अरिहंत वेयर हाउस के पीछे, पाटन वायपास चौक के पास, जबलपुर
9926812233, ई-मेल: yogmaniinstituteofnursing@gmail.com
8989220333, 8989228333, 9340232133

अब नई शृंखला के साथ
KARAN SHOES
MALVIYA CHOWK | ANAND CINEMA ROAD NEAR 4th BRIDGE | KATANGA CROSSING | NAYA BAZAR MALVIYA CHOWK

Pure & Tasty AK'S Special Jabalpur
मो. 9827681910
गर्मी के मौसम में स्पेशल सत्तू चने का उपलब्ध है। अब हमारे नये शोरूम गोरखपुर में
अशोक कुमार अजित कुमार
गुलाबी चना, मुरमुरा, बोल्ड चना, केला चिप्स, बोल्ड पीनट, मसाला चना, ड्राय मेल, चना जौर गर्म
प्रियदर्शनी एवं सेवा केन्द्र मढ़ाताल में उपलब्ध
होम डिलेवरी के लिए अनुभवी लड़कों की जरूरत है

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा एन.एम. पब्लिकेशन प्रा.लि. उखरी चौक जबलपुर से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/19-21 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायलयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)